आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

• वर्ष- 17 अंक 27 • कटनी • सोमवार, 27 फरवरी, 2023 • मूल्य- 2 रुपए • पृष्ठ-8 • फाल्गुन शुक्ल पक्ष 7 • विक्रम संवत् 2079 शके 1935

पीएम मोदी जारी करेंगे किसान सम्मान निधि की 13वीं किस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को पीएम-किसान निधि के तहत देशभर के आठ करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 16,800 करोड़ रुपये जमा कराएंगे। मोदी कर्नाटक के बेलगावी में आयोजित समारोह में पीएम-किसान निधि की 13वीं किस्त जारी करेंगे। इससे किसानों को आगामी फसल के लिए बंदोबस्त करने में सहूलियत मिलेगी। प्रत्येक सीजन की खेती प्रारंभ होने से पहले ही सरकार हर किसान के बैंक खाते में दो हजार रुपये की किस्त जमा करा देती है।

लोक कल्याण के साथ व्यवसाय कल्याणी भी हो बजट

बजट से किसको क्या है उम्मीद, यश भारत का खास कार्यक्रम - बजट फीवर 2023

जबलपुर, यश भारत। 1 मार्च को प्रदेश सरकार अपना आखिरी पूर्ण बजट प्रस्तुत करने जा रही है। जबकि यह चुनावी साल है ऐसे में प्रदेश सरकार एक बड़ा और लोकलुभावन बजट प्रस्तुत करेगी। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि बजट में आम लोगों के लिए बहुत सारी लोक हितकारी

योजनाएं आ सकती हैं। बजट को लेकर उद्योग और व्यापार क्षेत्र भी आशा लगाए हुए बैठा है। चुनावी साल होने के चलते बहुत ज्यादा उद्योग व्यापार को उम्मीद दिख रही है। जिसको लेकर यशभारत द्वारा एक खास सीरीज शुरू की गई है। बजट फीवर 2023 जिसमें यह भारत अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों से बजट से उम्मीद है और बजट को लेकर लोगों के सुझाव दिया जा रहे हैं।

जिसमें उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य व समाज से जुड़े हुए लोगों को शामिल किया गया है। इस कार्यक्रम की पहली सीरीज में उद्योग व्यापार को लेकर क्या आवश्यकताएं हैं और बजट में उनके लिए क्या किया जा सकता है जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिसमें चेंबर ऑफ कॉमर्स वह महाकौशल चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधि

शामिल हुए। साथ ही शहर के प्रतिष्ठित व्यवसाई व उद्योगपति भी शामिल हुए। जिन्होंने अपने सुझाव व व अपेक्षाएं जाहिर की। जिसे आप यश भारत न्यूज़ चैनल के साथ - साथ यश भारत के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी देख सकते हैं।

मप्र दे रहा पीएम मोदी के सपनों को साकार करने में अपना योगदान

विधानसभा के बजट सत्र के शुभारंभ पर राज्यपाल का अभिभाषण

■ भोपाल, यशभारत।

मध्यप्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को शुरू हो गया। सुबह 11 बजे राज्यपाल मंगूभाई पटेल के अभिभाषण के साथ सदन की कार्यवाही शुरू हुई। राज्यपाल ने अभिभाषण में कहा, 15वीं विधानसभा के 5वें और अंतिम बजट को संबोधित करते हुए खुशी हो रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की महायात्रा शुरू हो गई है। मप्र भी कंधे से कंधा मिलाकर प्रधानमंत्री के सपनों को साकार करने में अपना योगदान दे रहा है। आजादी के अमृतकाल में पीएम के दूरदर्शी नेतृत्व में जी-20 की बैठक समृद्ध भारत की प्रतिध्वनि है। राज्यपाल ने कहा, 15 नवंबर 2022 की तारीख अमर हो गई है। राष्ट्रपति के करकमलों से पेसा कानून लागू हो गया है। जनजातीय भाइयों को जल, जंगल, जमीन से जुड़े अधिकारों में शक्ति संपन्न बना दिया है। 2021-22 आजादी का अमृत महोत्सव जनजातीय सेनानायकों की गौरवगाथाओं से परिपूर्ण रहा है। रानी कमलापति और टंट्या भील के नाम पर रेलवे स्टेशन के नामकरण सरकार की ओर से इन नायकों के चरणों में सच्ची श्रद्धांजलि है। 1 मार्च को विधानसभा में बजट पेश किया जाएगा। सत्र के पहले दिन कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी और कुणाल चौधरी विधानसभा में हल लेकर पहुंचे। पटवारी ने कहा, शिवराज सिंह जी गैंती लेकर हेलीकॉप्टर में चल सकते हैं, तो क्या हम किसानों का प्रतीक हल लेकर विधानसभा में नहीं आ सकते। इस बजट सत्र के दौरान मध्यप्रदेश में पहली बार पेपरलेस बजट पेश किया जाना है। विधानसभा की ओर से इसके लिए विधायकों को टैबलेट दिए जाएंगे। टैबलेट चलाने के लिए ट्रेनिंग भी विधानसभा सचिवालय कराएगा। नेता प्रतिपक्ष डॉ.

गोविंद सिंह ने डिजिटल बजट का विरोध करने की बात कही है। उन्होंने कहा, विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध करूंगा कि मध्यप्रदेश में एससी/एसटी, गरीब, पिछड़े तबके के विधायक हैं। उन्हें पूरी तरह से डिजिटल की जानकारी नहीं है। इस तरह की प्रक्रिया, जिसके पक्ष में ज्यादा लोग नहीं हों, उन्हें पेपर न देकर, डिजिटल बजट देना तानाशाही है। कागजों पर जानकारी मिलती, तो इसे लोग पढ़-समझ सकते थे।गोविंद सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा सरकार ने पूरे प्रदेश का खजाना लूट लिया। कांग्रेस ने इस प्रदेश को बनाया और सजाया था, धन-दौलत जमा की थी, इसे बेचने का काम बड़े पूंजीपतियों को किया जा रहा है। करोड़ों की जमीनों पर भाजपा के लोगों का कब्जा है। सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के जो मुद्दे हैं, इन पर ताकत के साथ विधानसभा में अपना पक्ष रखेंगे।

पहली बार ई-बजट, नेता प्रतिपक्ष बोले- इसका विरोध करूंगा, हल लेकर पहुंचे जीतू पटवारी

कांग्रेस विधायक बोले- EVM जैसी कारगुजारी की होगी - डिजिटल बजट पर विदिशा से कांग्रेस विधायक शशांक भार्गव ने कहा- सरकार ने इसमें भी कुछ कारगुजारी की होगी, जैसे EVM में की। पिछोर से कांग्रेस विधायक केपी सिंह कक्का जू बोले- प्रोग्रेस का स्वागत है। हम पुराने विधायकों को इसे सीखने के लिए ट्राई करना चाहिए।

मंत्री बोले- ई-बजट से खर्च कम, विधायक भी तकनीक से जुड़ेंगे- नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्री भूपेंद्र सिंह बोले, ओड़िशा की विधानसभा में अभी ई-बजट आया है, देश की दूसरी विधानसभाओं में भी ई-बजट आ रहा है। हम धीरे-धीरे तकनीक का उपयोग करेंगे। एक टैबलेट पर सारी जानकारी होगी। पहले बजट इतना मोटा होता था कि एक व्यक्ति उठा नहीं सकता था। अब टैबलेट पर होगा, तो इसमें पढ़ लेंगे। इससे वित्तीय खर्च भी कम आएगा। विधायक भी टेक्नोलॉजी से कनेक्ट होंगे।

विधानसभा अध्यक्ष बोले- ये अंतिम बजट, पूरी ताकत लगाएं विधायक- विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा- ई-बजट के लिए विधायकों को टैबलेट दे रहे हैं, ये नवाचार है। ये इस 5 साल का अंतिम बजट है। जैसे मैराथन की अंतिम 100 मीटर की दौड़ में सारी ताकत लगाना प?ती है, इसी तरह विधायकों से आग्रह है कि इस बार पूरी ताकत लगाएं।

कमलनाथ ने कहा, चुनावी नौटंकी कर रहे शिवराज - सत्र की शुरुआत के मौके पर कमलनाथ ने कहा- शिवराज चुनावी नौटंकी कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना पर बोल रहे थे। सदन की कार्यवाही के पहले मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा, कब फार्म भराएंगे, फार्म कब आएंगे, पैसे कब मिलेंगे, ये सब चुनावी नौटंकी है।

विधायक दल की बैठकें भी होंगी - इस बार सत्र शुरू होने के पहले विधायक दलों की बैठकें भी नहीं हो पाईं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में नेताओं और विधायकों के व्यस्त होने और इधर बीजेपी के विधायकों के विकास यात्रा में लगे होने के चलते विधायक दल की बैठकें नहीं हो पाईं। सोमवार शाम को कांग्रेस विधायक दल की बैठक हो सकती है।

» न्यूज गैलरी

आशुतोष बड़ा कांड कर नाम करना चाहता था

इंदौर, ईएमएस। बीएम कालेज की प्राचार्य विमुक्ता शर्मा को जलाने वाला आरोपित आशुतोष श्रीवास्तव काफी शातिर दिमाग का है। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो काफी देर तक गुमराह करता रहा। एसपी भगवतसिंह बिरदे ने बताया कि पहले तो आरोपित ने कहा कि मैं खुद मरना चाहता था, लेकिन जब उससे पूछा गया कि मरने के लिए काफी वक्त मिला था। मैडम (डा. विमुक्ता) के आने पर ही पेट्रोल क्यों डाला। यह सवाल सुनकर आरोपित चुप्पी साध लेता है। एसपी ने कहा कि शरीर पर जख्म होने के कारण उस पर सख्ती नहीं कर सकते।मनोवैज्ञानिक तरीके पूछताछ करने पर काफी देर बाद कहा कि मैं बड़ा कांड करना चाहता था ताकि मेरा नाम हो जाए। इसलिए मैडम का इंतजार करने लगा। जैसे ही सामने आईं, पेट्रोल डाल दिया। एसपी ने बताया आरोपित का रिमांड लेने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। डाक्टर ने स्पष्ट लिखा कि पुलिस की जवाबदारी पर रिमांड पर सौंपा जाता है। शनिवार को उसे सेंट्रल जेल में दाखिल कर दिया। उसे अस्पताल में रखा गया है। यहां भी उसके लिए प्रहरी तैनात किए हैं।

मनीष सिसोदिया की कोर्ट में पेशी आप कर रही देशव्यापी प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली आबकारी घोटाले में डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद आज का दिन अहम है। 8 घंटे की मैराथन पूछताछ के बाद सीबीआई ने सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया था। थोड़ी देर में मेडिकल करवाया जाएगा और फिर दोपहर 2 बजे राउज एवेन्य की विशेष कोर्ट में पेश किया जाएगा। हंगामे से बचने के कारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से परेशी करवाई जा सकती है। वहीं आम आदमी पार्टी ने व्यापक विरोध प्रदर्शन की रणनीति बनाई है। इस बीच, आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि आम आदमी पार्टी की पूरी लीडरशिप को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं दिल्ली में भाजपा नेता परवेश शर्मा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में बड़ा घोटाला किया है।

अग्निपथ स्कीम को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा सरकार के फैसले में दखल देने की कोई वजह नहीं दिखती

■ नई दिल्ली, ईएमएस।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को अग्निपथ स्कीम को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा- सरकार के फैसले में दखल देने की कोई वजह नहीं दिखती, इसलिए सभी याचिकाएं खारिज की जाती हैं। 15 दिसंबर 2022 को कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं और केंद्र सरकार की दलीलें सुनने का बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसला सुरक्षित रखते हुए कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर किसी को कोई आपत्ति है तो वो अपनी लिखित दलीलें दाखिल करें। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी, इसमें जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद भी शामिल थे।

14 जून 2022 को पेश हुई थी अग्निवीर स्कीम

अग्निपथ स्कीम को 14 जून, 2022 को पेश किया गया था। इस स्कीम के तहत आर्म्ड फोर्सेज में युवाओं का भर्ती किए जाने के नए नियम बताए गए थे। इन नियमों के मुताबिक, साढे 17 साल से लेकर 21 साल तक की उम्र के युवा ही इसमें अप्लाय कर पाएंगे और उन्हें चार साल के लिए भर्ती किया जाएगा। सरकार ने यह कदम तनख्वाह और पेंशन का बजट कम करने के लिए उठाया था। भर्ती किए गए लोगों में से 25प्रश को नियमित सर्विस के लिए चुना जाएगा। इस स्कीम की घोषणा होने के बाद देश के कई हिस्सों में युवाओं ने इसका विरोध शुरू कर दिया था। इस दौरान कई जगह उपद्रव भी देखने को मिला। इन्हें देखते हुए सरकार ने भर्ती होने के लिए उम्र की सीमा को बढ़ाकर 21 से 23 साल कर दिया।

मेघालय और नगालैंड में तेज मतदान जारी, 2 मार्च को काउंटिंग

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

मेघालय और नगालैंड में विधानसभा चुनाव के लिए सुबह 7 बजे से मतदान जारी है। मतदान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक 35 प्रतिशत मतदान हो चुका था। दोनों राज्यों की 59-59 सीटों पर एक साथ वोट डाले जा रहे हैं। नतीजा 2 मार्च को आएगा। शाम को चार बजे तक वोट डाले जाएंगे। दोनों ही प्रदेशों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सीमाएं सील कर दी गई हैं। मेघालय में बहुकोणीय मुकाबले में चार राष्ट्रीय दर्जे वाली भाजपा, कांग्रेस, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और तृणमूल कांग्रेस समेत कुल 13 राजनीतिक दल इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। भाजपा व कांग्रेस ने सभी 60 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े

किए हैं जबकि तृणमूल ने 56 प्रत्याशियों को खड़ा किया है। मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा के नेतृत्व वाले एनपीपी ने चुनाव मैदान में 57 उम्मीदवार उतारे हैं। प्रदेश में 32 महिलाओं समेत 329 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होना है। मेघालय के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एफआर खारकोंगोर ने बताया कि सोहियोंग विधानसभा सीट के प्रत्याशी का अस्पताल में निधन हो गया। इसलिए इस सीट पर चुनाव बाद में होगा। जबकि नगालैंड में भी कुल 60 में से 59 विधानसभा सीटों पर ही मतदान हो रहा है। चूंकि विगत 10 फरवरी को नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन कांग्रेस प्रत्याशी एन. खेकशे सुमी के अपना नामांकन वापस लेने के बाद भाजपा उम्मीदवार कझेटो किनिमी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जा चुका है। यहां अधिकांश सीटों पर त्रिकोणीय से बहुकोणीय मुकाबला है। नगालैंड में कुल 13,17,632 मतदाता के लिए 2,351 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी.शशांक शेखर ने बताया कि नगालैंड में 305 कंपनियां तैनात हैं। संवेदनशील बूथों पर सीसीटीवी से निगरानी होगी। 72 घंटों के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा को भी सील किया है।

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर BSF जवानों पर हमला

बांग्लादेशी ग्रामीणों ने धारदार हथियारों से मारा, बंदूकें भी छीनीं, 2 जवान गंभीर

■ बेरहामपुर, एजेंसी।

इंटरनेशनल बॉर्डर पर भारतीय किसानों की सुरक्षा में ड्यूटी कर रहे ब्र्स्न जवानों पर बांग्लादेशी ग्रामीणों और बदमाशों ने हमला कर दिया। इस हमले में दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। इनके सिर पर गंभीर चोट आई है। जवानों के हथियार भी छीन लिए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और दोनों घायल जवानों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। BSF के मुताबिक, घटना रविवार को बंगाल फ्रंटियर के बेरहामपुर सेक्टर में बनी निर्मलचर पोस्ट 35 बटालियन के इलाके में हुई। BSF ने इस मामले को बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (BGB) के सामने उठाया और फ्लैग मीटिंग बुलाई है, ताकि बांग्लादेशी बदमाशों से जवानों के हथियार बरामद किए जा सकें और ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मवेशियों को भारतीय सीमा में छोड़ देते हैं बांग्लादेशी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में आने वाला यह क्षेत्र बांग्लादेश की सीमा से लगता है। निर्मलचर गांव के लोगों का आरोप है कि बांग्लादेशी किसान फसलों को नुकसान पहुंचाने के लिए अपने मवेशियों को जानबूझकर हमारे खेतों में छोड़ देते हैं। वे इसी बहाने भारतीय सीमा में भी अवैध तरीके से आ जाते हैं। शिकायत पर उनकी सिक्योरिटी के लिए ब्र्स्न ने यहां अस्थायी चौकी बनाई है। घटना वाले दिन किसानों के बीच बदमाश भी घुसे रिपोर्ट्स के मुताबिक रविवार को बॉर्डर पोस्ट निर्मलचर पर जवान ड्यूटी कर रहे थे। इस बीच उन्होंने बांग्लादेशी किसानों को भारतीय सीमा में आने से रोक दिया। देखते ही देखते बांग्लादेश से आए सौ से ज्यादा किसानों और उनके बीच घुसे बदमाशों ने भारतीय सीमा में घुसकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से जवानों पर हमला कर दिया। इसके बाद वापस भाग गए। BSF ने रानीताला थाने में स्नङ्घक्रभी दर्ज कराई है।

पहले भी हो चुके हैं जवानों पर हमले

साउथ बंगाल फ्रंटियर के एक प्रवक्ता ने बताया कि जब तस्कर और अपराधियों को सीमा पार अपनी अवैध गतिविधियों में सफलता नहीं मिलती है तो वे जवानों पर हमला कर देते हैं। पहले भी जवानों पर बदमाशों और उनके साथियों ने हमला किया है, लेकिन जवान उन्हें उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने देते। 23 फरवरी को ही हुई कूचबिहार में ब्र्स्न-ब्न्न्नक्की बैठक हमले से 3 दिन पहले ही चांगरबांधा में 23 फरवरी को ब्र्स्न-ब्न्न्नक्की कमांडर लेवल बैठक हुई थी। इस बैठक में भी सीमा पार से होने वाले अपराधों, अवैध निर्माण, बांग्लादेशियों की घुसपैठ से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

अब घर बैठे ई-केवायसी के जरिए समग्र आइडी से लिंक कर सकेंगे आधार नंबर

■ ग्वालियर, यशभारत।

समग्र आइडी में अब आधार लिंक करने के लिए ई-केवायसी का उपयोग कर घर बैठे ही आनलाइन प्रक्रिया की जा सकती है। प्रदेश शासन ने समग्र आइडी से मिलने वाली प्रत्येक सुविधा के लिए अब आधार कार्ड को लिंक करना अनिवार्य कर दिया है। इसके चलते अब अपने मोबाइल या कंप्यूटर का उपयोग कर समग्र पोर्टल पर घर बैठे ही आधार कार्ड को समग्र आइडी से लिंक किया जा

सकता है। निगम के सहायक नोडल जनकल्याण अधिकारी नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि अपनी समग्र आइडी के साथ आधार कार्ड को लिंक करने समग्र पोर्टल पर जाना होगा। पोर्टल खुलने पर होम पेज पर लिखे समग्र प्रोफाइल अपडेट करेंज् विकल्प पर जाना होगा। उसके बाद आधार ई-केवायसी के विकल्प पर क्लिक करना होगा। वहां समग्र सदस्य आइडी के साथ आधार कार्ड को जोड़ने या लिंक करने के लिए अपना नौ अंकों का समग्र आइडी, आधार कार्ड संख्या एवं आधार कार्ड के साथ लिंक मोबाइल नंबर भरना होगा। उसके बाद च्सदस्य की जानकारी देखेंज् और दर्ज मोबाइल नंबर पर च्वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) प्राप्त करने के लिए अनुरोध करेंज् विकल्प पर क्लिक करना होगा। जैसे ही नौ अंकों का सदस्य समग्र आइडी और आधार कार्ड पर पंजीकृत मोबाइल नंबर व कैप्चा कोड को भरकर सबमिट करेंगे, वैसे ही मोबाइल नंबर एक ओटीपी आएगा।

पहले ही वर्ष में लाखों लोगों की पसंद बना

अरुणोदय पंचांग

ईरान में छात्राओं को जहर दिया जा रहा

डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर का खुलासा- स्कूल के पानी में केमिकल मिलाया गया, लड़कियां बीमार

■ तेहरान, एजेंसी।

ईरान में छात्राओं को पढ़ने से रोकने के लिए जहर दिया जा रहा है। इस बात का खुलासा डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर यूनुस पनाही ने किया है। उन्होंने कहा- घोम शहर में नवंबर 2022 के बाद से रेस्पिरेटरी पॉइजनिंग के सैंकड़ों मामले सामने आए हैं। उनका कहना है कि स्कूलों में पानी को दूषित किया जा रहा है जिससे छात्राओं को सांस लेने में दिक्कत आ रही है। इनमें उल्टी, जबरदस्त बॉडी पेन और दिमागी दिक्कत शामिल है। उनकी हालत इतनी बिगड़ रही है कि इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया जा रहा है।

कुछ लोग गर्ल्स स्कूल बंद करना चाहते हैं

ईरान की न्यूज एजेंसी के मुताबिक, डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर यूनुस पनाही ने कहा- घोम शहर के स्कूलों में छात्राओं को जहर दिए जाने के कई मामला सामने आए हैं। इससे पता चलता है कि कुछ लोग लड़कियों की शिक्षा रोकना चाहते हैं और गर्ल्स स्कूल बंद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा- ऐसा करने के लिए जो भी केमिकल कंपाउंड का इस्तेमाल किया जा रहा है, वो ज्यादा खतरनाक नहीं है। इसका इलाज जल्द किया जा सकता है। लेकिन छात्राओं को जानबूझकर जहर दिया जा रहा है। इस मामले की जांच हो रही है। उन्होंने इससे जुड़ी ज्यादा जानकारी नहीं दी है।छात्राओं को जहर दिए जाने के मामले बढ़ने के बाद स्कूल कैंपस में एंबुलेंस का होना कंपलसरी कर दिया गया। छात्राओं को जहर दिए जाने के मामले बढ़ने के बाद स्कूल कैंपस में एंबुलेंस का होना कंपलसरी कर दिया गया।

अपराधी पुलिस की गिरफ्त से बाहर

इस मामले में फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं, लोरेस्टन प्रांत के डिप्टी गवर्नर माजिद मोनेमी ने कहा- बोरुजर्ड शहर में भी ऐसा ही मामला सामने आया। यहां 26 फरवरी को 50 से ज्यादा छात्राओं को जहर दिया गया। कई छात्राओं को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

इंटेलिजेंस एजेंसी जांच में जुटी

14 फरवरी को बीमार हुई बच्चियों के पेरेंट्स ने सरकार से इस मामले में जांच की मांग की थी। इसके बाद ईरानी सरकार के स्पोक्सपर्सन अली बहादोरी जहरोमी ने कहा था- इंटेलिजेंस एजेंसी और एजुकेशन मिनिस्टर इस मामले की जांच कर रहे हैं। जल्द ही जहर देने वालों को पकड़ा जाएगा। न्यायिक जांच का आदेश भी दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, छात्राओं को जहर दिए जाने के मामले 16 सितंबर को हुई महसा अमिनी की मौत को लेकर शुरू हुए प्रदर्शन के बाद सामने आए हैं। दरअसल, 16 सितंबर को पुलिस कस्टडी में 22 साल की महसा की मौत हो गई थी।

कटनी से होकर सीधी सिंगरौली एक्सप्रेस-वे जल्द

मध्यप्रदेश को कटनी से एक और एक्सप्रेसवे मिलेगा

दमोह, कटनी, रीवा और सीधी जुडेंगे

कटनी, यशभारत। सड़कों और एक्सप्रेसवे के मामले में भारत जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है, वह अद्भुत है। इसी क्रम में कटनी भी अछूता नहीं है याद करें कुछ साल पहले जबलपुर जाने के लिए कि कदर परेशानी उठानी पड़ती थी अब महज एक घंटे में फुर्र से जबलपुर पहुंचा जा सकता है सिर्फ जबलपुर ही नहीं कटनी से सतना, शहडोल, दमोह जाने वालों को भी कोई हिचक नहीं तो इसी कड़ी में अब जल्द ही सीधी सिंगरौली के लिए भी सफर आसान होने वाला है। समस्त भारत को जोड़ने और एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने में समय घटा रहे एक्सप्रेसवे विकास का चक्का साबित हो रहे हैं। अब ऐलान हुआ है कि मध्य प्रदेश को एक और एक्सप्रेसवे दिया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भोपाल को सिंगरौली से जोड़ने वाला एक्सप्रेसवे सागर, दमोह, सतना, रीवा और सीधी से होकर गुजरेगा। मध्य प्रदेश के सीएम ने कहा कि सरकार इस रूट पर इंडस्ट्रियल क्लस्टर भी विकसित करेगी। इससे क्षेत्र के 1.5 लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा. चौहान ने बुधवार को नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ रीवा में करीब 240 करोड़ रुपये की लागत से एयरपोर्ट निर्माण और अन्य विकास कार्यों के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भोपाल से सिंगरौली के बीच एक्सप्रेसवे बनाया जाएगा.

इंडस्ट्रियल क्लस्टर से युवाओं को मिलेगा रोजगार

भोपाल को सिंगरौली के बीच की दूरी करीब 660 किलोमीटर है. मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेस-वे दमोह, कटनी, रीवा और सीधी होते हुए जाएगा. उन्होंने घोषणा की कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विंध्य एक्सप्रेस-वे के आसपास इंडस्ट्रियल क्लस्टर भी विकसित किए जाएंगे.

विंध्य क्षेत्र के लिए 2.88 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव

जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल में इंदौर में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान सरकार को विंध्य क्षेत्र के लिए 2.88 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो मालवा क्षेत्र के बाद दूसरे स्थान पर हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे क्षेत्र के 1.5 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा. उन्होंने कि राज्य और केंद्र की बीजेपी नीत सरकार ने विंध्य क्षेत्र को रेल, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी दिया।

सांसद वीडी शर्मा की पहल

बताया गया कि इस बारे में गत दिनों क्षेत्रीय सांसद ने केन्द्रीस सड़क मंत्री से इस एक्सप्रेस वे को कटनी होकर जाने के लिए एक पत्र सौंपा था। गत दिवस उन्होंने सीएम शिवराज सिंह का भी ध्यान दिलाया था।

17 किमी कम होगा कटनी से चिरमिरी रेलमार्ग, उठी आवाज

कटनी, यशभारत। कटनी से चिरमिरी बरवाडीह जाने के लिए यात्रियों को बड़ी राहत मिलने वाली है। कटनी में भले ही इस बारे में चर्चा न हो लेकिन छत्तीसगढ़ के एक विधायक निरंतर इसकी मांग उठा रहे हैं। बता दें कि चिरमिरी-बरवाडीह रेल मार्ग के लिए हुए नए सर्वेक्षण में अंबिकापुर से बरवाडीह के बीच 12 से अधिक स्टेशन प्रस्तावित हैं। अंग्रेजों के जमाने की अंबिकापुर-बरवाडीह रेल लाइन परियोजना के विस्तार के लिए प्रक्रिया शुरू हुई थी।

बरबाडीह-चिरमिरी-अंबिकापुर के लिए डीपीआर बनाई जा रही है। लेकिन इस प्रोजेक्ट से चिरमिरी को जोड़ने के लिए नागपुर से 17 किमी रेललाइन का विस्तार होना जरूरी है। जिसका प्रोजेक्ट 6 साल पहले भाजपा शासन के दौर में तैयार कर अपने हिस्से की 50 फीसदी राशि जारी की गई थी। जानकारी के अनुसार झारखंड पलामू सांसद के प्रयास से बरबाडीह-चिरमिरी-अम्बि कापुर रेल लाइन के शुरू होने की एक बार फिर से उम्मीद जागी है। डीपीआर तैयार करने सर्वे कराया जा रहा है। इस परियोजना को पूरा करने की मांग लगातार स्थानीय लोगों के द्वारा की जा रही है। बता दें कि चिरमिरी से अम्बिकापुर रेल लाइन से जोड़ने के लिए चिरमिरी-नागपुर के बीच 17 किमी रेल लाइन का प्रोजेक्ट तैयार किया था लेकिन राज्य में सत्ता परिवर्तन के साथ ही मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा मार्च में अंतिम बजट पेश किया जाना है। चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट लाइन प्रोजेक्ट के लिए 241 करोड़ रुपए खर्च होना है। इसके लिए राजस्व, वन समेत रेलवे विभाग के अफसरों की टीम बनाई गई है। जिनके द्वारा रेल भूमि अधिग्रहण समेत रेल लाइन बिछाने पत्थर भी लगाया गया है। राज्य शासन से उसके हिस्से की आधी राशि 121 करोड़ रुपए की मंजूरी मिलने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। जबकि केंद्र सरकार ने अपने हिस्से की राशि पहले ही जारी कर दी है। एडवोकेट विजय प्रकाश पटेल चिरमिरी से नागपुर 17 किमी हॉल्ट रेल लाइन के लिए बीते ढाई साल से घंटानाद आंदोलन कर रहे है। मनेंद्रगढ़ में बीते ढाई साल से सरकार से अपने हिस्से की 50 फीसदी राशि जारी करने घंटा बजा रहे है। इस रेल मार्ग से सरगुजा शहर को स्थायित्व और व्यापार बढ़ने की उम्मीद अबतक चिरमिरी के लोगों को शहर से अनूपपुर, कटनी और बिलासपुर तक ही रेल सुविधा उपलब्ध है। अंबिकापुर, चिरमिरी उत्तर छत्तीसगढ़ का प्रमुख शहर है, यहां कटनी से ही मुख्य व्यापार होता है। रोजाना सैकड़ों लोग आते जाते हैं लेकिन उन्हें 17 किलोमीटरके कारण बड़ी कठिनाई होती है। यह क्षेत्र रेल और यात्री सुविधाओं के मामले में पिछड़ा हुआ है। लेकिन एक बार फिर से डीपीआर बनाने का काम शुरू किया गया है, तो उम्मीद है कि भविष्य में प्रोजेक्ट पूरा होने से सरगुजा में व्यापार बढ़ेगा और शहर को स्थायित्व मिलेगा।

मेडिकल कॉलेज की माँग को लेकर, मुड़वारा विधायक को डेवेलपमेंट एसोसिएशन ने दिया ज्ञापन

कटनी, यशभारत। कटनी में शासकीय मेडिकल कॉलेज के आंदोलन के 70 वे दिन, कटनी डिवेलपमेंट एसोसिएशन टीम के सदस्यों ने कटनी मुड़वारा विधायक श्री संदीप जायसवाल जी के निवास जाकर मुलाकात की, इस मुलाकात में मुख्य रूप से, कटनी जिले के आसपास के जिलों दमोह, सतना, शहडोल, सिवनी, सिंगरौली में मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेज निर्माण हो जाने या घोषणा हो जाने के बावजूद, आज दिनांक तक कटनी जिले के साथ हो रहे लगातार भेदभाव व सौतेले बर्ताव पर भी चिंता व्यक्त की और कटनी जिले में मेडिकल कॉलेज पर कटनी जिले के अलावा, उमरिया व पन्ना जिले की निर्भरता पर भी प्रकाश डालते हुए, कटनी जिला अस्पताल पर वर्तमान समय मे 30 लाख आबादी की निर्भरता कटनी के लिये मेडिकल कॉलेज को अनिवार्य बताया।

सागर, जबलपुर, बीना के बाद बिलासपुर में पकड़ा गया कटनी का ड्रग पैडलर

कटनी से चारों ओर फैल रहा गांजे का नेटवर्क, पुलिस के हाथ अब भी खाली

कटनी, यशभारत। कटनी से गांजे की सप्लाई कम नहीं हो रही। ताजुब की बात है कि बड़े पैमाने पर गांजा तस्करी के बाद भी कटनी पुलिस को अब तक यह पता नहीं लग सका है कि वह कौन व्यापारी है जो कटनी से चारों दिशाओं में नशीले कारोबार का नेटवर्क फैलाए हुए है। गत दिनों जबलपुर फिर सागर बीना रायपुर में गांजे के साथ पकड़े गए आरोपियों ने साफ कहा कि वह यह गांजा कटनी से लेकर आए हैं। यह सब घटना अभी चल ही रही थीं कि छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस की ऑपरेशन निजात अभियान के अलग-अलग जगहों पर गांजा बेचने आए नाबालिग समेत चार तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से 20 किलो गांजा बरामद किया गया है। एक तस्कर मध्यप्रदेश से गांजा बेचने आया था। इधर, पुलिस की सख्ती को देखकर ग्राहक मुखबिर बन गया और तस्कर के आने की सूचना पुलिस को दे दी। मामला सरकंडा और तोरवा थाना क्षेत्र का है। एसपी संतोष कुमार के आने के बाद शहर के साथ ही जिले में नशे का सामान बेचने वालों की लगातार धरपकड़ की जा रही है। इसी कड़ी में सरकंडा टीआई फैजूल शाह को जानकारी मिली कि बहतराई स्थित निखिल आश्रम के पास एक युवक गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। खबर मिलते ही पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर मल्हार के वार्ड क्रमांक एक निवासी मन्नू लहरे (32) को बाइक (क्रमांक सीजी 10 एए 7409) के साथ पकड़ लिया। उसके पास रखे थैले की तलाशी लेने पर दो किलो 400 ग्राम गांजा मिला। वहीं, पुलिस ने राजकिशोर नगर के बजरंगबली मंदिर के पास ऋषि कपूर (26) निवासी बकरकुदा मस्तूरी को पकड़ लिया। उसके बैग से पुलिस को दो किलो 210 ग्राम गांजा मिला। पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

बिलहरी जिला कटनी का रहने वाला है आरोपी

तोरवा पुलिस ने 15 किलो गांजा के साथ नाबालिग सहित दो लोगों को पकड़ा है। पुलिस को पता चला कि बापूखोली के पास दो संदिग्ध लोग घूम रहे। पुलिस मौके पर पहुंची और एक नाबालिग सहित दो लोगों को पकड़ लिया। उनके पास से बैग में 15 किलो गांजा मिला। पूछताछ में युवक की पहचान प्रेमप्रकाश माझी (40) निवासी रायपुरा चौकी बिलहरी जिला कटनी के रूप में हुई। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। बताया गया कि इस घटना के बाद कटनी पुलिस को छत्तीसगढ़ पुलिस की ओर से एक मेमारडम दिया गया जिसमें पकड़े गए युवक के द्वारा दी गई जानकारी बताई गई। साथ ही कटनी में गांजे के अवैध कारोबार के पनपने की बात कही गई पर कटनी पुलिस ने इस पर कितनी गंभीरता दिखाई यह कहीं भी पता नहीं चल सका। लोगों का कहना है कि कटनी यातायात के साधनों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त स्थान है यहां से चारों दिशाओं में रेल और सड़कों का साधन उपलब्ध है इसलिए कटनी का किसी बड़े गिरोह ने अपना अड्डा बना लिया जिसके पैडलर अलग अलग शहरों में गांजा खपाने में जुटे हैं। मामला गंभीर है कटनी पुलिस को इसे काफी गंभीरता से लेना चाहिए।

कलचुरी समाज की राष्ट्रीय बैठक में हुए कई निर्णय

कटनी, यशभारत। भारतीय कलचुरि समवर्गीय महासभा की राष्टीय प्रबंधकारकारिणी एवं राष्टीय कार्यकारिणी बैठक यात्री निवास मैहर, जिला सतना मे देश के कोने कोने से आये हुए कलचुरी समाज की बैठक दो सत्र मे संपन्न हुई। अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष एन शिवासुब्रमण्यम मदुरई तमिलनाडु ने की एवं मुख्यातिथि संरक्षक संजय जायसवाल रायपुर थे। सफल संचालन राष्ट्रिय महासचिव राकेश जायसवाल सीधी ने किया। युवा अध्यक्ष गजेंद्र राय कटनी के साथ सैकड़ों की संख्या मे युवा समस्त देश से पधारे। राष्ट्रीय युवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिवाकर जायसवाल, अयोध्या जायसवाल,

सावन, सन्नी जायसवाल, आदर्श, गौरव, मनोज एवं अन्य युवाओं ने सभी आयोजन समिति ने अच्छा कार्य किया। पुरानी कुरुतियो को जड़ से मिटाना है, युवाओं को नशामुक्त का संदेश देना है, सरकार द्वारा रोजगार और आरक्षण प्रदान करवाना हमारा मूल उद्देश है। बैठक का उद्देश युवाओं को चारों दिशाओं से जोड़ना एवं नडार, इडका, कोसरे, सहारे एवं अन्य उपवर्ग जाति को लोग जाने। देश मे 10 करोड़ से ज्यादा कलचुरी है जिन्हे एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। अंत में सभी पदाधिकारियों एवं बाहर से आये अतिथियों को मा शारदा एवं भगवान सहस्त्रबाहु जी का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

छात्राओं को मणिपुर एवं नागालैंड के दर्शनीय स्थलों तथा कला संस्कृति पर दिखाई डॉक्यूमेंट्री

कटनी,यशभारत। शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी में ईबीएसबी क्लब के अंतर्गत प्राचार्य डॉ आर के गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ईबीएसबी क्लब प्रभारी डॉ प्रज्ञा अग्रवाल ने पेयर्ड स्टेट मणिपुर एवं नागालैंड के बारे में छात्राओं को अवगत कराया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को मणिपुर एवं नागालैंड के दार्शनिक स्थलों एवं वहां के कला संस्कृति पर डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। जिससे छात्राओं को वहां के विभिन्न दार्शनिक स्थलों की स्थिति एवं उनके महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त हुई और साथ ही साथ कला एवं संस्कृति एवं वेशभूषा की भी जानकारी मिली। इस कार्यक्रम मे अधिक से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया एवं छात्राओं ने वहां के दार्शनिक स्थलों पर अपने विचार प्रस्तुत किए एवं कुछ छात्राओं ने वहां की कला संस्कृति पर प्रकाश डाला इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री भीम बर्मन, श्रीमती नम्रता निगम ,सुश्री आरती वर्मा, श्रीमती स्मृति दहायत का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ठंडी के अंतिम दौर की भी बिदाई, अब वापसी नहीं

सुबह से शाम तक घुली रही गर्माहट

कटनी, यशभारत। कटनी जिले से ठंडी की विदाई हो चुकी है। इसी के साथ गर्मी ने दस्तक दे दी है। रविवार को लोगों ने इसे महसूस भी किया। गर्मी का अंदाज ऐसा रहा कि लोग पंखा चलाने को मजबूर रहे। मौसम विभाग के मुताबिक मौसम पूरी तरह से शुष्क हो गया है। दिन का अधिकतम तापमान भी 32 डिग्री के पार पहुंच गया है। तेज धूप और राजस्थान की तरफ से आ रही गर्म हवा से वातावरण में गर्माहट घुल रही है। इसलिए फरवरी में ही मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है। बहरहाल अब गर्मी धीरे-धीरे अपना असर दिखाएगी। रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम के साफ होते ही सूरज के तेवर भी सुबह से तल्ख रहे। सुबह से लेकर शाम तक वातावरण में गर्माहट घुली रही। गत दिनों के मुकाबले में धूप में तीखापन भी महसूस किया गया। हालांकि रात में गुलाबी ठंड अब भी बरकरार है। मौसम विभाग की माने तो हवा का रुख भी बदल रहा है। उत्तरी की जगह तीन से चार किमी प्रति घंटे से उत्तरी पश्चिमी हवा चलने से राजस्थान से गर्म हवा आने का सिलसिला शुरू हो गया है जिससे आने वाले दिनों में गर्मी का अहसास बढ़ता चला जाएगा।

कटनी पूर्वानुमान

27 फरवरी - 33.7- 19.0

28 फरवरी - 34.2 -19.3

इस साल ठंड का मौसम जल्द खत्म हो गया है और समय से पहले गर्मी से दस्तक दे दी है. दिन प्रति दिन दिन का पारा बढ़ रहा है और गर्मी का अहसास होने लगा है. फिलहाल गर्मी जल्दी आने और गर्म मौसम के लंबा चलने की संभावनाओं के बीच घरों में इस्तेमाल होने वाले एयर कंडीशनर (एसी) मैन्युफैक्चरर्स इस साल अपनी बिक्री में 15-20 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद जता रहे हैं. एसी निर्माता मांग को पूरा करने के लिए अपना प्रोडक्शन भी बढ़ा रहे हैं. गर्मी के पहले ही एसी की बढ़ती मांग को देखते हुए मैन्युफैकचरिंग कंपनियां कम बिजली खपत वाले, इनवर्टर से चलने वाले और आईओटी व एयर प्यूरीफायर (हवा को शुद्ध करने वाली) जैसी 'स्मार्ट' सुविधाओं वाले एसी लाने की होड़ में हैं. निर्माताओं को इसके अलावा रेफ्रिजरेटर और कूलर जैसे अन्य उत्पादों की बिक्री में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज
ऑडी-1 में रोजाना 3 शो ता. 24 से
दोपहर 12, 6 एवं रात्रि 9 बजे से

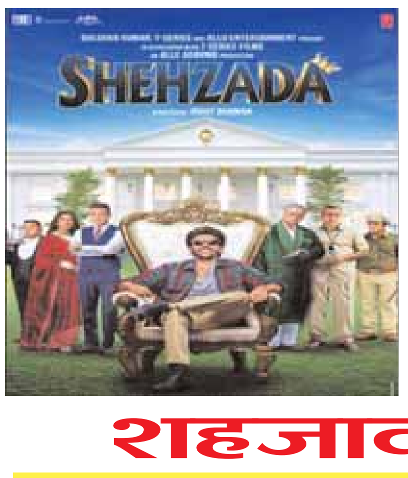

कलाकार- कार्तिक आर्यन, कृति सेनन, परेश रावल, मनीषा कोइराला आदि।
शहजादा
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज
ऑडी-2 में रोजाना 5 शो ता. 24 से
दोपहर 1, 3 (ऑडी-1), 4, 7 एवं रात्रि 10 बजे से

कलाकार- अक्षय कुमार, इमरान हाशमी, नुसरत भरूचा, डायना पेंटी आदि।
सेल्फी
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

जनजातीय कार्यविभाग से अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक

कटनी,यशभारत। म.प्र. शासन द्वारा जनजातीय कार्यविभाग से अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु संचालित भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंटया मामा आर्थिक कल्याण योजनांतर्गत एवं अनुसूचित जाति वर्ग हेतु अंत्यावसायी विभाग द्वारा संचालित संतरविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजनांतर्गत कलेक्टर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन विगत दिवस किया गया। बैठक में समीक्षा के दौरान पाया गया कि सेंट्रल बैंक आफइंडिया द्वारा भगवान बिरसा मुण्डा एवं टंट्या मामा के 1-1 त्रण प्रकरण वितरण स्वीकृत कर वितरित किए गए हैं। शेष भारतीय स्टेट बैंक की बहोरीबंद 11, विलयतकला 07, विजयराघवगढ़ 05, निवार 04 कुल 27 प्रकरण स्वीकृत किए गए है। स्वीकृत प्रकरणों को शीघ्र वितरित करवाने एवं प्रकरणों को पोर्टल पर अपडेट करने एवं शेष सभी बैंकों को लंबित प्रकरणों में निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही जो बैंक योजनाओं में अच्छा कार्य करेंगे उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के भी निर्देश कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा दिए गए। उक्त बैठक में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, क्रेडिट मैनेजर आर0बी0ओ0 भारतीय स्टेट बैंक व अन्य बैंकों के जिला समन्वयक विभागीय अधिकारी, जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग एवं प्रभारी कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी विभाग की उपस्थिति रही।

सामान्य सभा की बैठक का आयोजन 17 मार्च को

कटनी,यशभारत। विषयांतर्गत जिला पंचायत कटनी की सामान्य सभा की बैठक 17 मार्च 2023 दिन शुक्रवार को समय दोपहर 12:00 बजे से जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की गई है। बैठक का एजेंडा पृथक से प्रेषित किया जावेगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिशिर गेमावत ने बैठक में निर्धारित समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।

न्यायालय अपर कलेक्टर/विशेष विवाह अधिकारी जिला कटनी (म.प्र.)

कमांक/ 37 /प्रवा. वि.अधि./2023 कटनी,दिनांक- 17.02.2023

द्वितीय अनुसूची- (धारा 5 देखिये)

विवाह रजिस्ट्रेशन की सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संजय सराफ पिता स्व. श्री हीरालाल सराफ (तलाक शुदा) निवासी एम.एल.बी. स्कूल के बगल में तहसील शुहागपुर जिला शहडोल म.प्र. पिन कोड - 484001 एवं आवेदिका दीपका सोनी पिता श्री विजय कुमार सोनी (विधवा) निवासी गणेश दाल मिल गली, जलपा देवी वार्ड नं 08 तहसील कटनी नगर जिला कटनी म.प्र. पिन कोड. 483501 द्वारा विवाह रजिस्ट्रेशन किये जाने बावत आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र एवं विवाह रजिस्ट्रेशन शुल्क 50 /- रूपये चालान क्रं. 44 दिनांक 31/05/2022 को भारतीय स्टेट बैंक मूल शाखा से जमा कर चालान की मूल प्रति एवं अंक सूची, आधार कार्ड सहित समक्ष में उपस्थित होकर विवाह रजिस्ट्रेशन किये जाने का आवेदन पत्र पेश किया है, जो न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त आवेदन पर आवेदक/आवेदिका का विवाह रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1984 की धारा-5 तहत विवाह रजिस्ट्रेशन होना आशियत है, यदि इस विवाह रजिस्ट्रेशन में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/एतराज / दावा हो तो इश्तहार जारी दिनांक से 30 दिवस के भीतर अथवा पेशी दिनांक 21/03/2023 को पूर्वान्ह तक स्वयं या अपने अभिभाषक / प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16.02.2023 को इस न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया। नियत तिथि- 21.03.2023

अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला कटनी (म.प्र.)

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT-Epaper

जगन्नाथ चौक से लेकर घंटाघर निर्माण नहीं होने से मुखर हो रहे विरोध के स्वर

कटनी, यशभारत। जगन्नाथ चौक से लेकर घंटाघर तक सड़क निर्माण नहीं होने से एक बार फिर विरोध के स्वर मुखर हो रहे हैं। पिछले कई वर्षों से जर्जर और खस्ताहाल सड़क निर्माण की मांग को लेकर जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। जिसको लेकर रूपरेखा तैयार करने विगत दिवस एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में एक ही बात कही कि विगत कई वर्षों से इस सड़क की हालत अत्यंत जर्जर व खस्ताहाल है। पूर्व महापौर के कार्यकाल में इस सड़क का डामरीकरण कराया गया था, किंतु सड़क की दुर्दशा में कोई सुधार नहीं हुआ। सड़क के निर्माण के संबंध में कई बार रोड की नाप जोख होकर अतिक्रमण तोड़ने हेतु निशान भी लगाए गए, परंतु नगर निगम प्रशासन की उदासीनता के चलते सड़क का निर्माण अधर में है। आगामी 2 से 3 माह पश्चात पर वर्षा काल आएगा, फिर सड़क में घुटनों तक पानी भर जाएगा। आवागमन बाधित हो जाएगा, परंतु नगर निगम प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि इस दिशा में कोई भी सकारात्मक पहल नहीं कर रहे हैं। 6 माह पूर्व भी इस सड़क के निर्माण हेतु क्रमिक अनशन किया गया था तथा पुनः चांडक चौक ढलान पर अनशन किया गया, किंतु नगर निगम प्रशासन के अधिकारी कहीं चौड़ीकरण की बात करते हैं तो कहीं नाली-नाला सफाई की बात करते हैं तो कहीं सीसी रोड निर्माण की बात करते हैं, तो कभी डामरीकरण की बात करते हैं परंतु स्थाई हल या वैकल्पिक तरीके के माध्यम से जनता को राहत देने का उनके पास कोई प्रस्ताव नहीं है, इसके साथ ही अगर किसी भी रुप से सड़क का निर्माण करवाना चाहते हैं, तो जनता को बता भी नहीं पा रहे हैं।

बैठक में प्रबुद्ध नागरिकों ने कहा : जल्द सड़क निर्माण शुरू करे प्रशासन

इस सड़क निर्माण हेतु कितना बजट स्वीकृत किया गया है, कितने दिनों में निविदा प्रक्रियापूर्ण कर ली जाएगी। कार्य प्रारंभ करने की तिथि क्या होगी। कार्य समाप्त करने का तिथि क्या होगी। किस प्रकार से सड़क निर्माण कराया जाएगा। सड़क निर्माण होने के दौरान वैकल्पिक मार्ग क्या होगा परंतु इस प्रकार की किसी भी प्रकार से जिम्मेदारों द्वारा बातचीत नहीं की जा रही है। आज जनता परेशान है। बैठक में तय किया गया कि कलेक्टर से मिलकर इस समस्या से अवगत कराया जाएगा।

इनका कहना है

जगन्नाथ चौक से घंटाघर सड़क निर्माण की प्रक्रिया पर तेजी से काम चल रहा है। टेंडर प्रक्रिया भी जारी है। जल्द ही सड़क निर्माण का काम शुरू हो जाएगा।

-प्रीति संजीव सूरी, महापौर

समय पर नहीं हो रहा पेंशन का भुगतान, हितग्राही परेशान

कटनी, यशभारत। गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले निःशक्तजनों, दिव्यांगों व कल्याणी महिलाओं को जीवनयापन करने हर माह 6 सौ रुपए पेंशन का भुगतान किया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि फरवरी की 24 तारीख तक उनके खातों में राशि नहीं पहुंची। क्षेत्र के पिपरिया, सहलावन, भटगवां, झुनकी, भसेड़ा ग्रामों के पेंशनधारी फुल्लू चौधरी, सुक्खी कोल,बखतराम कोल, गिरानी कोल, प्रीतम कोल, सुरेंद्र साहू, रामबाई, कमलाबाई, अशोकबाई, गंगाबाई, आशाराम, द्वारका यादव, संतूराम कोल, शंभूसिंह ने बताया कि फरवरी का माह बीत रहा है। अभी तक उनके खाते में पेंशन नहीं पहुंचने से उन्हें जीवनयापन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पेंशन की आस में बैंकों के चक्कर काट रहे हैं। पेंशन प्रभारी ढीमरखेड़ा अनिल कोल ने बताया कि इसकी जानकारी किसी भी हितग्राही ने नहीं दी। पोर्टल में चैक करके पेंशन धारी हितग्राहियों की पेंशन का भुगतान शीघ्र ही कराए जाने का प्रयास किया जाएगा।

बीईजी रूड़की को 2-1 से हराकर बीआरसी दानापुर बनी हॉकी चैम्पियन

खेल गतिविधियों से खिलाड़ियों को मिलता है प्रोत्साहन : महापौर

कटनी, यशभारत। नगर पालिक निगम के तत्वाधान में 10 दिवसीय अखिल भारतीय गणतंत्र दिवस हॉकी टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला फॉरेस्टर प्लेग्राउंड में रविवार को बीआरसी दानापुर एवं बीईजी रुड़की के मध्य खेला गया, जिसमें बीआरसी दानापुर ने बीईजी रुड़की को 2-1 से पराजित कर फाइनल मैच अपने नाम कर लिया। मैच समाप्त होने के उपरांत समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने विजेता बीआरसी दानापुर एवं उपविजेता बीईजी रूड़की की टीम सहित सभी टीमों के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि कटनी में पिछले पांच 5 दशकों से आयोजित हॉकी टूर्नामेंट में देश की नामी गिरामी टीमों ने भाग लेकर अपने उच्च कोटि के खेल का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय स्तर के इस टूर्नामेंट के आयोजन से कटनी के खिलाड़ियों को भी खेल की बारीकियों से रूबरू होने का अवसर मिला है। यहां बड़ी संख्या में दर्शकों ने मैचों का लुत्फ उठाया। आगे भी इस तरह की गतिविधियां आयोजित होती रहेंगी। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने फाइनल विजेता टीम बीआरसी दानापुर को प्रथम पुरस्कार के रूप में 1 लाख रूपए एवं उपविजेता टीम बीईजी रुड़की को 50 हजार तथा तृतीय पुरस्कार वाराणसी को 25 हजार एवं चतुर्थ पुरस्कार सरगुजा टीम को 25 हजार रुपए देकर सम्मानीय एमआईसी सदस्यों वयोवृद्ध नागरिकों पार्षदों की उपस्थिति में प्रदान किया गया। महापौर द्वारा सभी खिलाड़ियों को ट्रैकशूट भी उपहार में प्रदान किया गया। गौरतलब है कि शहर में लंबे अंतराल के बाद महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा प्रारंभ किए गए खेल महोत्सव का नगर वासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। रविवार को समापन किए गए गणतंत्र दिवस हॉकी टूर्नामेंट में एमआईसी सदस्य श्रीमती बीना बैनर्जी, डॉ रमेश सोनी, अवकाश जायसवाल, सुभाष साहू, आयुक्त सत्येंद्र सिंह धाकरे, उपायुक्त पी के अहिरवार, पार्षद शकुंतला सोनी, सीमा श्रीवास्तव, गोविंद चावला, ओमेंद्र अहिरवार सहित वरिष्ठ नागरिक सुधाकर चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार कृष्णकांत अग्निहोत्री भोलाबाबू, लोकनाथ गौतम, अशोक अहिरवार, डब्बू रजक, बॉबी चतुर्वेदी, कय्यूम भाईजान एवं आमजनों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार कृष्णकांत अग्निहोत्री भोलाबाबू को भी स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

स्लीमनाबाद में दिव्यांग बच्चों को मिले उपकरण

कटनी, यशभारत। दिव्यांग बच्चों की शिक्षा व विकास के लिए बहोरीबंद विकासखंड में दिव्यांग शिविर आयोजित किया गया। चिकित्सकों द्वारा उपकरणों हेतु पात्र घोषित किए गए बच्चों को उपकरणों का वितरण जनपद शिक्षा केंद्र बहोरीबंद में उपस्थित जनसमूह और अधिकारियों कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। जिसमें 94 बच्चों को उनके लिए जरूरी ट्राइसाइकिल, कान की मशीन, एमएसआइडी किट, लोविजन डिवाइस, वील चेयर आदि उपकरण जबलपुर से आई एलिम्को कंपनी की टीम द्वारा किया गया। इन उपकरणों को पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से भर उठे और उन्हें लगा कि उनका जीवन अब बिना किसी परेशानी के आनंद पूर्वक चलेगा। बच्चों के माता-पिता, पालकों के चेहरे में भी संतुष्टि के भाव दिखे। इस दौरान एपीसी एआइडी कटनी अनिल त्रिपाठी, बीएसी दिनेश तिवारी, एमआरसी अनवर हुसैन, शिक्षक विनोद पाटकर, रवि धनेजा, ओम प्रकाश दहिया सहित लिम्को कम्पनी के सदस्यों की उपस्थिति रही।

उपयंत्री पर शासकीय कार्यों में रुकावट डालने का आरोप

कटनी, यशभारत। जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की ग्राम पंचायत गूंडा के सरपंच संकेत लोनी ने क्षेत्रीय उपयंत्री पर मनमानी का आरोप लगाया है। सरपंच ने आरोप लगाया है कि उपयंत्री द्वारा पंचायत के कार्य समय पर नहीं किये जाते है। सरपंच फोरम के अध्यक्ष महेश यादव के नेतृत्व में उपाध्यक्ष संकेत लोनी, सचिव दीनू सिंह सहित अन्य सरपंचों ने ढीमरखेड़ा जनपद पंचायत सीईओ विनोद पांडेय और कलेक्टर को शिकायत करते हुए उपयंत्री को हटाते हुए अन्य उपयंत्री को पदस्थ किये जाने की मांग किया है। सरपंचों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्रीय उपयंत्री द्वारा शासकीय कार्यों में रुकावट पैदा किया जाता है। उपयंत्री द्वारा समय पर मूल्यांकन किया जाता न ही इस्टीमेट तैयार किया जाता।

शिक्षक पर एफआईआर, फिर भी कार्यवाही नहीं कर रहा विभाग

कटनी, यशभारत। कहते हैं कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है, लेकिन वही शिक्षक अगर मनमानी के तौर पर उतारू हो जाए, तो बच्चों का भविष्य खराब होने से कोई नहीं रोक सकता है। जिले में शिक्षा व्यवस्था को लेकर समय-समय पर आवाज उठती रहती है, लेकिन सरकारी कार्यालयों में बैठे जिम्मेदारों के द्वारा जमीनी हकीकत को जानने के लिए फुर्सत ही नहीं मिल पा रही है, जिससे मनमानी बढ़ती जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी भी गैर जिम्मेदार रवैया के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं एवं लापरवाही करते हुए नजर आते हैं। शिकायत मिलने के बाद भी कार्यवाही नहीं करते हैं। बिछुआ ग्राम में पदस्थ शिक्षक द्वारा नियम कानून की सारी हदें पार कर दी गई। नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए स्कूल आ जा रहे हैं, जिससे बच्चों के भविष्य में खतरा मंडरा रहा है। शिक्षक के मनमानी रवैए के कारण शिक्षा व्यवस्था चौपट हो रही है लेकिन शिक्षा विभाग के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है अगर ऐसा ही चलता रहा तो बच्चों का भविष्य बिगड़ जाएगा। संरक्षण मिलने के कारण पदस्थ शिक्षक शशि कपूर गौतम द्वारा की जा रही लापरवाही पर कोई रोकथाम नहीं कर पा रहे। शिक्षा विभाग पर ऐसा कौन सा दबाव है कि शिकवा शिकायतों के बाद भी शिक्षक की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी को जानकारी दिए जाने के बाद भी की शिक्षक 3 महीने फरार होने के बावजूद भी शिक्षा विभाग द्वारा पर्दा डालते हुए उनकी सीएल ऑडी और एसएल मंजूर की गई। शिक्षक की मनमानी के कारण बच्चों का भविष्य अधर में जा रहा है। शिकायत के बाद भी अधिकारी स्कूल आकर जांच करना उचित नहीं समझा गया। जिससे शिक्षक की मनमानी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। ना तो उनके आने का टाइम होता है और ना जाने का, जहां पर सरकार शिक्षा एवं तमाम मुद्दों को लेकर सभा एवं विकास यात्राएं की जा रही हैं और भ्रष्टाचारी एवं अधिकारी कर्मचारियों की मनमानी को किसी भी प्रकार का अंकुश नहीं लगाया जा रहा है जिले में और ऐसी स्कूल हैं जहां पर शिक्षकों की मनमानी चलती रहती है। शिक्षक के ऊपर धारा 294, 323, 506, 3-1-10 के तहत मामला दर्ज है, जिसकी जमानत कटनी कोर्ट से खारिज कर दी गई थी, इसके बाद भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।

शासकीय हाई स्कूल बिछुआ का मामला, खुलेआम उड़ाई जा रही नियमों की धजिजयां

ब्रज में हो रही जय जयकार, नंद घर लाला भयो है...

मां पूर्णेश्वरी दरबार में देवी पुराण का आयोजन

बरही, यशभारत। मां सिद्धिदात्री राजराजेश्वरी सिद्धेश्वरी त्रिपुर सुंदरी भक्ति स्वरूपा परांबा मां दुर्गा के सानिध्य में बरही नगर के संदीप कॉलोनी स्थित मां के दरबार में श्रीमद् देवी भागवत महापुराण का आयोजन हो रहा है पीयूष वर्षिणी कथा का रसपान काशी से आए विद्वान डॉक्टर प्रभाकर त्रिपाठी के द्वारा हो रहा है। आयोजन संदीप अग्रवाल, आरती अग्रवाल, वैदिक अग्रवाल के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। गत 22 फरवरी से 4 मार्च तक चलने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में शनिवार को श्रीराम जन्म उत्सव उपरान्त रविवार को भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। ब्रज में हो रही जय जयकार नंद घर लाला आयो है कि सुमधुर बधाई गीत पर उपस्थित जनमानस झूम रहा था। 3 मार्च को ब्राह्मण भोजन, कन्या भोजन, 4 मार्च को विष्णु भोज विशाल भंडारा आयोजित होगा। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी जनमानस से कार्यक्रम में पहुँचकर धर्मलाभ प्राप्त करने आग्रह किया है। प्रतिदिन सायंकाल 4 से 7 बजे तक इस दुर्लभ देवी पुराण की रसवर्षा हो रही है।

जबलपुर ने जीता विधायक कप का फाइनल, बनखेड़ी को हराया

अखिल भारतीय विधायक कप क्रिकेट टूर्नामेंट, अर्पित मैन आफ द मैच व अजय मैन ऑफ द सीरीज बने

कटनी, यशभारत। फारेस्टर प्लेग्राउण्ड में खेले जा रहे अभा विधायक कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाईनल मुकाबले में जबलपुर डिवीजन ने आरसीसी बनखेड़ी को 4 विकेट से हराकर चमचमाती ट्राफी पर कब्जा जमाया। बनखेड़ी ने 25 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 189 रनों का स्कोर बनाया। जबलपुर डिवीजन ने 10 गेन्द शेष रहते 6 विकेट पर 192 रन बनाकर फाइनल मुकाबला जीता। जबलपुर की शानदार जीत के हीरो अर्पित गौड़ रहे, जिन्होंने 69 रन बनाकर जीत की आधारशिला रखी, इसके पहले बनखेड़ी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। बनखेड़ी की शुरूआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज कनिष्क दुबे मात्र 7 रन के व्यक्तिगत स्कोर पर आउट हो गए। 33 रनों के स्कोर पर दो विकेट गिरने से बनखेड़ी की टीम संकट में आ गई। 85 रन पर 6 विकेट गिरने के बाद मोहम्मद इरफान व सचिन चौधरी ने मोर्चा संभाला और जबलपुर के गेन्दबाजों का डटकर सामना करते हुए मैदान के चारों तरफ खूबसूरत स्ट्रोक लगाए। दोनों ही बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय साझेदारी करते हुए स्कोर 150 के पार पहुंचाया। सचिन ने 34 गेन्दों पर 3 गगनचुम्बी छक्कों एवं 5 चौकों की सहायता से 56 रन एवं मोहम्मद इरफान ने 29 गेन्दों पर 3 गगनचुम्बी छक्कों एवं 3 चौकों की सहायता से नाबाद 49 रन बनाए, जिसकी बदौलत बनखेड़ी ने 25 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाने में सफल रही। जबलपुर की ओर से रवि मंडलोई ने 3 व अजय मिश्रा ने 2 विकेट लिए। जबावी पारी खेलने उतरी जबलपुर की शुरूआत विस्फोटक रही। सलामी बल्लेबाजों अपूर्व द्विवेदी एवं अर्पित गौड़ ने बनखेड़ी के बॉलिंग अटैक को धराशायी कर दिया। 7.1 ओवर में जबलपुर का पहला विकेट 63 रनों पर गिरा। अपूर्व ने 24 रन बनाए। दूसरे छोर पर अर्पित गौड़ क्रीज पर जमे रहे। अर्पित ने 48 गेन्दों पर 11 चौकों और 1 छक्के की सहायता से 69 बनाकर अपनी टीम की जीत की इबारत लिखी। निखिल सिंह, अंचित ठाकुर ने 17-17 एवं वंदित जोशी ने 16, उमर ने 14 व मंगेश यादव ने 13 रन बनाए। इस तरह जबलपुर ने 10 गेन्द बाकी रहते हुए 6 विकेट पर 192 रन बनाकर मैच जीता। बनखेड़ी की ओर से अनिकेत सिंह, रीतेश गुर्गे, स्पर्श जैन व मोहम्मद इरफान ने एक-एक विकेट लिया। फाइनल मैच में अंपायरिंग बीसीसीआई लेवल वन के अंपायर संदीप बक्श एवं उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के रजिस्टर्ड अंपायर सारिक उस्मानी ने की।

विजेता को 3 लाख एवं उपविजेता को 2 लाख का नगद पुरस्कार

फाइनल मैच के बाद समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमे अतिथि के रूप में टूर्नामेंट आयोजक क्षेत्रीय विधायक संदीप जायसवाल, पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार जैन, उद्योगपति पवन मित्तल एवं मनीष गेईं की मौजूदगी रही। अतिथियों ने विजेता जबलपुर डिवीजन को 3 लाख रूपए एवं ट्राफी एवं उपविजेता बनखेड़ी को 2 लाख रूपए नगद एवं ट्राफी प्रदान की। मैन ऑफ द मैच 5100 रूपए नगद एवं स्मृति चिन्ह जबलपुर के बल्लेबाज अर्पित गौड़ एवं मैन ऑफ द सीरीज 11 हजार रूपए नगद एवं स्मृति चिन्ह अजय मिश्रा को अतिथियों ने प्रदान किया। सर्वश्रेष्ठ श्रेत्ररक्षक स्पर्श जैन, सलमान खान, सर्वाधिक रन सचिन चौधरी को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में लकी ड्रा निकालकर लोगों को पुरस्कार वितरित किए गए।

ऐसे आयोजनों से मिलता है प्रोत्साहन

विधायक संदीप जायसवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए। जिससे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलता है। कोरोना महामारी की वजह से टूर्नामेंटों का आयोजन नहीं हो पा रहा है। अब क्रिकेट के साथ ही खेलों की प्रतिस्पर्धाएं होंगी। एसपी सुनील कुमार जैन ने कहा कि कटनी में राष्ट्रीय स्तर का टूर्नामेंट सराहनीय प्रयास है। आयोजन समिति के प्रयासों से सफल टूर्नामेंट आयोजित हुआ। उद्योगपति पवन मित्तल ने कहा कि किसी भी आयोजन को कराने में अथक परिश्रम करना पड़ता है। आयोजन समिति की मेहनत की बदौलत कटनी में सफल टूर्नामेंट हुआ। उद्योगपति मनीष गेईं ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि क्रिकेट के साथ ही अन्य खेलों के आयोजन भी होते रहना चाहिए। इससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम का संचालन विनीत सिंह बघेल एवं आभार प्रदर्शन डीसीए के सचिव राजेश डेविड ने किया।

Tuesday Offer
@99/- Available On
All Seats Except Recliners
CINEWORLDZ CINEMA KATNI
Mittal MALL
Paytm
bookmyshow
From 17th February 2023
PATHAAN
Show Timing 12:00 PM 3:00 PM 9:30 PM
SELFIEE
2D Show Timing 10:30 AM 12:00 PM 1:15 PM 3:00 PM 4:00 PM 6:00 PM 7:00 PM 9:00 PM 9:45 PM
TIMINGS MAY CHANGE FOR CURRENT UPDATE VISIT ON BOOK MY SHOW & PAYTM
2nd Floor, Mittal Mall, Beside Mittal Enclave, Collectorate Road, Katni M.P.
Contact No. 9993123830

सस्ती सुंदर 125/- में सिंगल बेड
पता- होटल गणपति प्लाजा
लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास वाली गली कमानियागेट कटनी,
मो. नं. 7389565610
(एसी रूम उपलब्ध है)

संपादकीय

खूंखार होते आवारा कुत्ते,सांसत में जान

× इंसान का सबसे वफादार साथी कुत्ता माना जाता है लेकिन इनकी वजह से स्थिति अब बिगड़ रही है। देश में हाल ही में कुत्तों के काटने की हैरान कर देने वाली खबरें सामने आई हैं। सड़कों पर घूमने वाले कुत्तों के हमलों में कई बच्चों व बड़ों के घायल होने व मरने के समाचारों ने व्यथित किया है।इस दिल दहला देने वाली घटना ने फिर से आवारा कुत्तों के खतरे को सामने ला दिया है, कई लोग सोशल मीडिया पर बच्चे पर हमले के दृश्य साझा कर रहे हैं और अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।यह घटना गुजरात के सूरत में आवारा कुत्तों के हमले के बाद चार साल के बच्चे की मौत के करीब दो हफ्ते बाद हुई है। इससे पहले जनवरी में, बिहार के आरा में एक आवारा कुत्ते के काटने के बाद 80 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।हैदराबाद में रविवार को आवारा कुत्तों के एक झुंड ने पांच साल के एक बच्चे को घेर लिया और उसे नोच-नोच कर मार डाला। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया गया। अंबरपेट में उस परिसर के एक सीसीटीवी कैमरे में घटना के दिल दहलाने वाले दृश्य कैद हो गए, जहां लड़के के पिता सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते थे। देशभर में पशुओं के काटने की घटनाओं का आंकड़ा सरकार ने लोकसभा में दिया था। सदन में देशभर में कुत्तों के काटने की घटनाओं का ब्योरा पूछा गया था। सरकार ने अपने आंकड़ों में विशेष तौर पर कुत्तों के काटने की संख्या तो नहीं बताई थी, लेकिन जाहिर सी बात है कि इसमें सबसे ज्यादा संख्या कुत्तों के काटने की है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि नागरिकों की जान व संपत्ति की सुरक्षा सरकार का परम कर्तव्य है। विशेषज्ञ कहते हैं कि कानून के अनुपालन में सख्ती की जरूरत है। इससे निपटने का उपाय ढूंढने में सरकारें और अदालतें मंथन कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कुत्तों के काटने की घटनाओं पर चिंता जताई थी और इसका उपाय निकालने की बात कही थी। ऐसी ही स्थिति देश के हर राज्य में भी देखी गई है। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि राज्य में पिछले दस सालों में ग्यारह लाख लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा है। सरकार का दावा है कि नसबंदी अभियान चलाकर में कुत्तों की नसबंदी की गई ताकि उनकी बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाया जा सके। लेकिन इस अभियान पर लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद सकारात्मक परिणाम देखने में नहीं आये। बल्कि उनकी संख्या में कुछ हजार का इजाफा ही हुआ है। कहा जा रहा है कि नसबंदी अभियान को कारगर ढंग से चलाकर ही समस्या का समाधान किया जा सकता है। काटे लोगों को रैबीज का इंजेक्शन लगाकर अपनी सुरक्षा करने को बाध्य होना पड़ता है। हालांकि सरकारी अस्पताल व डिस्पेंसरियों में कम दाम में वैक्सीन उपलब्ध है, लेकिन निजी अस्पताल वैक्सीन के प्रति डोज डेढ़.दो हजार रुपये वसूलते हैं। जो गरीब आदमी के लिये कष्टदायक ही है। कहा जा रहा है कि आवारा कुत्तों की नसबंदी का अभियान कारगर ढंग से नहीं चलाया जा रहा है। जानकार लोग तेजी से नसबंदी अभियान चलाने को समस्या का उपयोगी समाधान बता रहे हैं।वैसे यह विचारणीय प्रश्न है कि सदियों से मनुष्य का साथी रहा कुत्ता क्यों आक्रामक हो चला है। कभी समाज में उसकी वफादारी की मिसाल दी जाती थी। कहीं न कहीं शहरी जिंदगी में उसकी उपयोगिता कम होने के चलते उसे सड़क पर आना पड़ा है। वहीं लोगों में विदेशी नस्ल के कुत्तों के बढ़ते मोह ने उसे आम भारतीयों के घरों से बाहर का रास्ता दिखाया है। देश में विदेशी नस्ल के कुत्तों की खरीद.फरोख्त का बड़ा बाजार भी विकसित हुआ है। वहीं हमारी खान.पान की आदतों में बदलाव का असर भी कुत्तों में देखा गया है। अकसर मांस व अन्य तामसिक पदार्थों की दुकानों के बाहर इनका जमावड़ा देखा जाता है। मारे गये जीवों के अवशेषों का सावधानी से निस्तारण नहीं किया जाता। वहीं मांसाहारी लोग भी इसके अवयव बाहर फेंक देते हैं, जिसके चलते कुत्ते हिंसक होते हैं।शहरों, कस्बों के गली.कूचों में लोगों द्वारा दुत्कारे जाते, मार.पीटकर भगाये जाते कुत्ते कालांतर आक्रामक होने लगते हैं। आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर योजनाबद्ध ढंग से नियंत्रण, सामाजिक जागरूकता व जीवों के संरक्षण में लगी स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से ही इस समस्या का समाधान संभव है।

जिद-दिखावे के बीच मां-बाप की कसक

पिछले दिनों अपने एक परिचित से बातें हो रही थीं। गांव में रहते हैं। वह अपनी बहन की लड़की की शादी के बारे में बताने लगे। बहन का परिवार गांव में रहता है। बोले कि वहां सारे नाते-रिश्तेदार इकट्ठे हुए थे। शादी की तैयारियां पूरी थीं। बहन ने यह भी बताया था कि अब तक बीस लाख खर्च हो चुके हैं। और अभी तो शादी के बाद हर त्योहार के लेन-देन का खर्च बचा हुआ है। खूब गाना-बजाना, सजावट, संगीत, हल्दी, मेहंदी सब हो रहा था। धूमधाम से बारात भी आ गई। जब लड़की जयमाल डालने आई तो उसे लगा कि दूल्हे ने शराब पी रखी है क्योंकि उसके पैर कुछ लड़खड़ाए थे। यही नहीं, उसके दोस्त लोग मंच पर ही हुल्लड़ कर रहे थे। बस लड़की नाराज हो गई। जयमाल बिना डाले ही वह मंच छोड़कर चली गई और उसने शादी से इनकार कर दिया। बहुत समझाने पर भी नहीं मानी। दूल्हे और उसके परिवार वालों ने कहा भी कि उसने कोई शराब नहीं पी थी, लेकिन लड़की ने किसी की बात नहीं सुनी। उसने शादी से इनकार कर दिया। लड़के-लड़की वालों में कहासुनी भी हुई। पुलिस भी आ गई, लेकिन किसी के समझाने से भी बात नहीं बनी।

अंततः बिन दुल्हन के बारात लौट गई। नाते, रिश्तेदार भी अपने-अपने घर चले गए। गीत-संगीत, बैंडबाजे, नगाड़े, डीजे सबका शोर थम गया था। लेकिन लड़की के माता-पिता के दु:ख और चिंता का अंत नहीं था। खाने के लिए बनाए गए तरह-तरह के पकवान यों ही पड़े थे। सजावट मुंह चिढ़ा रही थी। अब लड़की के माता-पिता को फिर से वही कवायदें दोबारा करनी पड़ेंगी। लड़का देखना, पसंद, नापसंद। शादी की तैयारियां, फिर से निमंत्रण पत्र छपवाना, बैंक्वेट हॉल बुक कराना। नाते-रिश्तेदारों की आवभगत, लेन-देन। इनके लिए दोबारा पैसा कहां से आएगा। पहली बार शादी की तैयारी में जो बीस लाख खर्च हुआ, वह तो पानी में गया ही। परिचित की बातें सुनकर लगा कि अरे इन बातों पर तो ध्यान कभी गया ही नहीं। एक तरफ लड़कियों के निर्णय लेने की क्षमता अच्छी लगती है, तो दूसरी तरफ उनके माता-पिता और परिवार वालों की परेशानियां सुनकर अफसोस भी होता है। ऐसी बहुत-सी खबरें भी याद आने लगीं जो आजकल अक्सर दिखाई देती हैं। जैसे कि बारात समय पर नहीं आई तो लड़की ने शादी तोड़ दी। लड़का फेरों के वक्त ठीक से बैठ नहीं सका या वह काला था तो लड़की नाराज हो गई। या कि लड़का लड़की से कम पढ़ा-लिखा था, पहाड़ा ठीक से नहीं सुना सका, या नोट ठीक से नहीं गिन सका तो काम से गया। अथवा बारात में दूल्हा इतनी देर तक नाचा कि नाराज लड़की ने किसी और के गले में माला डाल दी। दूल्हे के दांत खराब थे, या कि वरमाला के वक्त वह कम झुका तो भी शादी टूट गई। ऐसी बेशुमार घटनाएं आए दिन प्रकाश में आती हैं जहां बहुत ही मामूली बातों पर लड़कियां शादी तोड़ रही हैं। इन्हें पढ़-सुनकर आश्चर्य भी होता है।

बचपन की ऐसी बहुत-सी घटनाएं भी याद आती हैं, जहां किसी मामूली बात पर लड़के वाले बारात लौटा ले जाते थे। पहले लड़के और उनके परिवार वाले किसी की नहीं सुनते थे, अब लड़कियां किसी की नहीं सुन रही हैं। पहले जिस लड़की की बारात लौट जाती थी, उसे समाज के तमाम तरह के ताने सुनने पड़ते थे जबकि लड़की का कोई कसूर नहीं होता था। अब स्थिति बदल गई है।

देखने की बात यह है कि क्या लड़कियों को अपने परिवार वालों की आर्थिक दिक्कतों का पता नहीं होता। लड़कियों की शादी के लिए कितनों के मकान-दुकान-खेत बिकते हैं, गिरवी रखने पड़ते हैं, गहने बेचने पड़ते हैं। भारी-भरकम कर्ज लेना पड़ता है। यह सब लड़कियों के सामने ही होता है, फिर वे इस बात का ख्याल क्यों नहीं रखती हैं।

जहां तक इस बात का सवाल है कि लड़की ने लड़के के काला होने, अथवा अनपढ़ होने के कारण विवाह करने से इनकार कर दिया तो इससे यह भी पता चलता है कि लड़के को लड़की ने पहले नहीं देखा, दोनों की मेल-मुलाकात नहीं हुई। यदि ऐसा हुआ होता तो शायद शादी न टूटती, बारात न लौटती।

इसके अलावा शादी में होने वाले खर्चे भी इन दिनों बेशुमार बढ़े हैं। माता-पिता ही नहीं, लड़के और लड़कियां भी यही चाहते हैं कि उनकी शादी देखने-दिखाने लायक हो। ऐसी हो कि हमेशा सबको याद रहे। खाने की चीजें इतनी तरह की हों कि खायी न जा सकें। सचमुच कई बार शादियों में इतने तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं कि पेट भरकर खाना तो दूर यदि आधी-आधी चम्मच भी खाएं तो भी न खा सकें। यह एक तरीके से खाने के सामान को बिगाड़ना और भोजन को नष्ट करना है। यों कहा ये जाता है कि अन्न को बिगाड़ना अन्न का अपमान है। साथ ही हम यह भी जानते हैं कि यह सिर्फ हमारे मन का भ्रम ही है कि जरूरत से ज्यादा दिखावा करने से कोई देखने वालों को खुश कर सकता है। बल्कि होता तो यह है कि जितना अधिक दिखावा, उतनी ही अधिक आलोचना ।

रही-सही कसर सेलिब्रिटी शादियों को रात-दिन गाने बजाने से भी पूरी हो जाती है। सिर्फ रईसों में ही नहीं, मध्यम वर्ग में भी इन सेलिब्रिटीज के विवाहों को देखकर ऐसे ही विवाह करने का चलन हो चला है। कियारा ने कैसे कपड़े पहने, सिद्धार्थ ने क्या पहना, कौन से भोजन परोसे गए, डेस्टीनेशन वेडिंग कहां पर किया गया, किस डिजाइनर ने कपड़े बनाए, किसने जेवर, किन फूलों से सजावट की गई थी, कहां से मंगाए गए थे, किन शैफों ने खाना पकाया था, आदि बातों को देखकर युवा भी ऐसा ही करना चाहते हैं। वे माता-पिता पर भी इसका दबाव बनाते हैं। इनमें से हर एक अपने को सपनों का राजकुमार या सपनों की राजकुमारी समझता है। ड्रीम मैन और ड्रीम वुमैन की तलाश में रहता है। ऐसे में बेचारे माता-पिता की मुश्किलों के बारे में कौन सोचे और क्यों सोचे। जन्म दिया है तो इच्छाएं भी पूरी करनी ही पड़ेंगी, चाहे कर्ज लेकर करें।

एक तरफ विवाह के बेशुमार खर्चे हैं जिनके बारे में व्यवसाय करने वाले गौरवपूर्वक कहते हैं कि इस देश में विवाह का बाजार अरबों रुपए का है। जाहिर है ये अरबों रुपए माता-पिता की जेब से ही वसूले जाते हैं। दूसरी तरफ दहेज की सुरसा भी लगातार बढ़ रही है। रही-सही कसर ब्रांड के शोर ने पूरी कर दी है। अब कपड़ों, जेवर से लेकर हर चीज ब्रांड वाली चाहिए। ऐसे में कल्पना ही की जा सकती है कि शादी पर कितना खर्च होता है और माता-पिता पर कितना बोझ पड़ता है। यदि शादी की सभी तैयारियां पूरी हो गई हों और ऐसे में शादी न हो, बारात लौट जाए, तो सोचें कि माता-पिता के सिर पर कितना भारी बोझ पड़ता है।

क्षमा शर्मा

कब खरीदकर पढ़ी जाएंगी किताबें ?

आप जब इन पंक्तियों को पढ़ रहे होंगे तब राजधानी में विश्व पुस्तक मेला शुरू हो गया होगा। कोरोना के कारण विश्व पुस्तक मेला बीते कुछ सालों से आयोजित नहीं हो पा रहा था। जाहिर है कि पुस्तक मेले के फिर से आयोजन से शब्दों के शैदाइयों के चेहरे खिले हुए हैं। वे अपने मन-पसंद की किताबें सस्ते दामों पर खरीदेंगे। पर ये भी सच है कि इस डिजिटल दौर में किताबों से पाठकों की दूरियां निश्चित रूप से बढ़ी हैं। बहुत बड़ी संख्या में पाठक अपने मोबाइल पर ही अपनी दिलचस्पी की सामग्री पढ़कर संतुष्ट हो जाते हैं। वे किताबें खरीदने की जरूरत ही नहीं महसूस करते। बेशक, किताबों को फिर से प्रासंगिक तो बनाना ही होगा। वह कितना अज्ञानी समाज होता है जहां पर किताबों के महत्व को सही ढंग से नहीं समझा जाता। आमतौर पर हमारे यहां कहानियों, कविताओं,उपन्यासों, जीवनियों से जुड़ी किताबें बहुतायत में छपती हैं। हिन्दी पट्टी के प्रकाशकों को लेकर यह बात सौ फीसद यकीन के साथ कही जा सकती है। इस स्थिति से निकलने की जरूरत है। अब मैनेजमेंट और कोरपोरेट दुनिया की भी किताबें आने लगी हैं। पर विज्ञान,आर्किटेक्चर, मूर्तिकला संगीत, नाटक जैसे विषयों की किताबों का नितांत अभाव ही मिलता है। आप किसी भी किताबों की दुकान का चक्कर लगा लीजिए। आपको आर्किटेक्चर की एक किताब नहीं मिलेगी। सारा देश जानता है कि सतीश गुजराल प्रख्यात चित्रकार और भित्ति चित्रकार थे। पर कितने लोगों को पता है कि वे एक प्रयोगधर्मी आर्किटेक्ट भी थे। उन्होंने राजधानी में बेल्जियम एंबेसी को डिजाइन किया था। इसे डिजाइन के लिहाज से अप्रतिम इमारत माना जाता है। पर चूंकि हिंदी में कोई आर्किटेक्चर की किताब ही नहीं मिलेगी, तो हिंदी पाठकों को कैसे पता चलेगा कि सतीश गुजराल कौन थे या भारत के सबसे विशाल मंदिरों में से एक राजधानी के अक्षरधाम मंदिर का डिजाइन करने वाले आर्किटेक्ट कौन थे? अक्षरधाम मंदिर को बिहार में जन्में आर्किटेक्ट विक्रम लाल ने डिजाइन किया था। इनके पिता जे.के. लाल भी महान स्ट्रक्चरल इंजीनियर थे ढ्ढ मेरे पटना आवास अन्नपूर्णा भवन भी इन्हीं दोनों बाप-बेटे ने डि?ाइन किया था ढ्ढ आपको मूर्तिशिल्प और मूर्तिशिल्पियों पर हिंदी में शायद ही कोई किताब मिले। इस लिहाज से हिंदी और अन्य भाषाओं में भी बेहद खराब स्थिति है। राम सुतार के बारे में हिंदी में कितनी किताबें हैं? राम सुतार गुजरे सात-साढ़े सात दशकों से मूरतें बना रहे हैं। उन्होंने ही सरदार पटेल की चर्चित प्रतिमा 'स्टेच्यू आफ यूनिटी' भी तैयार की। राम सुतार की तराशी प्रतिमाओं में गति व भाव का शानदार समन्वय रहता है। पर उन पर आपको कोई किताब नहीं मिलेगी। राम सुतार निस्संदेह आधुनिक भारतीय मूर्ति कला के सबसे महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों में से एक माने जाएंगे। अब महान मूर्तिकार देवी प्रसाद राय चौधरी की भी बात हो जाए । उनकी अतुल्नीय कृति है राजधानी में लगी च्यारह मूर्तिज। यह राष्ट्रपति भवन के ठीक बगल में है। कौन सा बिहारी होगा जिसने पटना में आने पर शहीद स्मारक को नहीं देखा होगा। इसे भी चौधरी ने ही बनाया था। शहीद स्मारक सात शहीदों की एक जीवन-आकार की मूर्ति है जो पटना में बिहार विधान सभा भवन के बाहर स्थित है। इन युवाओं ने भारत छोड़ो आन्दोलन (अगस्त 1942) में अपने जीवन का बलिदान दिया था और उस भवन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था जो अब सचिवालय भवन है। चौधरी की इस मूरत को देखकर आंखें नम होने लगती हैं। सदाशिव साठे ने देश के कई शहरों में झांसी की रानी लक्ष्मी बाई की कमाल की मूरतें बनाई हैं। इन अश्वारोही प्रतिमाओं को न जाने कितने लाखों लोगों ने मुग्ध होकर निहारा होगा। रानी का घोड़ा दो पैरों पर खड़ा है। हवा में प्रतिमा तभी रहेगी जब संतुलन के लिए पूंछ को मजबूत छड़ से गाड़ दिया जाए, यह बात इसे बनाने वाले मूर्तिकार सदाशिव साठे समझते थे। वे अश्वारोही प्रतिमाएं गढ़ने में सिद्धहस्त थे। पर इन पर भी आपको कोई किताब नहीं मिलेगी। इससे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्या हो सकती है। हिंदी के लेखकों को इस बाबत पहल करनी चाहिए। वे आगे आएं और गहन शोध करने के बाद स्तरीय किताबें भी लिखें तो बात बने। हिंदी समाज देश का आबादी के लिहाज से सबसे विशाल समाज है। इस बारे में कोई शक नहीं हो सकता। इसके साथ बहुत बड़ी समस्या ये है कि यहां पर किताबें मांगने का भयंकर रोग है। यहां का पाठक लेखक से आग्रह करता रहता है कि वह उसे किताबें भेंट कर दे। अब इन महान पाठकों से पूछिए कि आखिर लेखक कहां से किताब भेंट करेगा? क्या उसके पास बहुत पैसा होता है? क्या उसे प्रकाशक से बहुत भारी-भरकम रायल्टी मिलती है? मुझे कुछ समय पहले दिल्ली के लैंडमार्क 'कनॉट प्लेस' पर शोध किताब लिखने वाले लेखक विवेक शुक्ला मुझे बता रहे थे कि उन्होंने जैसी ही अपनी किताब के संबंध में सोशल मीडिया में जानकारी दी, बस तब से ही उनसे तमाम लोग गुजारिश करने लगे कि उन्हें किताब भेंट में मिल जाए। हालांकि उन्होंने अपनी कार को बेचकर मिले पैसे से किताब को लिखने के लिए शोध किया था। इस तरह की गुजारिश करने वालों में वे भी हैं जो हर माह दो-तीन लाख रुपया कमाते हैं। मतलब साफ है कि हिंदी पट्टी में लेखक बनना सच में कठिन काम है। मुझे कभी-कभी लगता है कि चूंकि लेखकों को कायदे की रायल्टी नहीं मिलती है इसलिए बहुत से लेखक कोई बड़ा काम करने का साहस ही नहीं जुटा पाते। आखिर किताब लिखने के क्रम में जो शोध करना पड़ता है उसमें मोटा खर्चा अपने जब से करना होता है। तो सीधी सी बात है कि कोई लेखक सिर्फ स्वांत- सुखाय के लिए क्यों लिखेगा। वह भी एक ङ्क दो प्रयासों के बाद बैठ जाता है। मैं मानता हूं कि किताबें अब भी बहुत सस्ती हैं। आपको 200 से 500 रुपये तक बहुत श्रेष्ठ किताब मिल जाती है। क्या इतनी सस्ती किताब भी पाठक वर्ग द्वारा नहीं खरीदी जा सकती? हरेक हिंदी भाषी परिवार को हर माह 500 रुपये तक की तो किताबें खरीदनी ही चाहिए। इतनी छोटी राशि को खर्च करके वे अपने तथा अपने परिवार को कितना समृद्ध कर लेंगे, यह बताने की आवश्यकता नहीं है। ये सब खूब किताबें पढ़ते और खरीदते भी हैं।

आर.के. सिन्हा

आपका राशिफल 28 फरवरी

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-1-3-5

फिल्म वर्ग पहेली - 6090

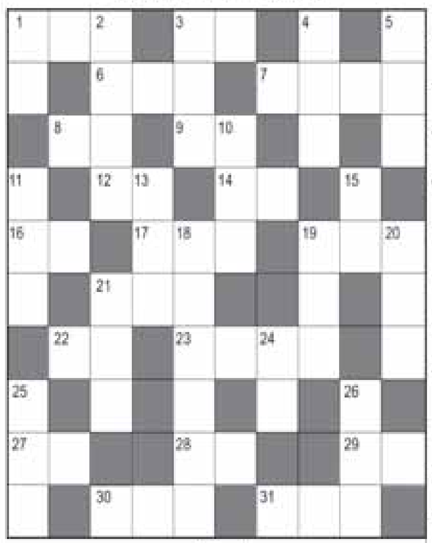

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'ओ बाबा ओ बाबा' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता को 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाक्षी की 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गज़ल वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमीं' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग भरा बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंग दे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'दिल यू मेरी मौ' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6089

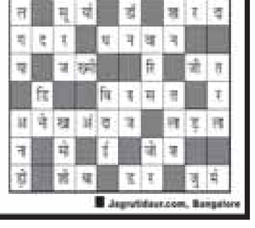

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6604

✱✫✫✫✫ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6603 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

डायबिटीज रोगियों के लिए वरदान है
तेजपत्ते की चाय

किचन के मसालों में इस्तेमाल होने वाले तेजपत्ता स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इसे एक औषधी के रुप में भी देखा जाता है। यह खाने की सुगंध बढ़ाने के साथ-साथ कई तरह के स्वास्थ्य लाभ भी देता है। इसमें विटामिन-सी,ए, बी, ई, आयरन, कैल्शियम, पौटेशियम, कॉपर और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है। खासकर सर्दियों में आप तेजपत्ते से बनी चाय का सेवन करके कई तरह की बीमारियों से राहत पा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ....

तेजी से घटेगा वजन

यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो तेजपत्ते से तैयार चाय का सेवन कर सकते हैं। यह आपके शरीर का मेटाबॉल्जिम स्तर बूस्ट करके शरीर में से एक्स्ट्रा फैट बर्न करने में मदद करती हैं।

हार्ट को रखता है स्वस्थ

तेजपत्ते में पौटेशियम, एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं इससे आपका ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में सहायता करते हैं। ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहने से दिल संबंधी समस्याओं से भी राहत मिलेगी।

डायबिटीज मरीजों के लिए गुणकारी

इस चाय का सेवन डायबिटीज रोगियों के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। एक शोध के अनुसार, तेजपत्ते से तैयार चाय का सेवन करने से शरीर में इंसुलिन लेवल सुधारता है। इसके अलावा इस चाय से खून में रक्त में ग्लूकोज की मात्रा भी कम होती है जिससे आपकी डायबिटीज भी कंट्रोल में रहती है।

इंफेक्शन से बचाए

तेजपत्ते में पाए जाने वाले एंटीफंगल गुण शरीर को किसी भी तरह की इंफेक्शन से बचाने में मदद करते हैं। इसमें कैंडीडा एल्बीकैंस नाम का तत्व पाया जाता है जो किसी भी तरह के इंफेक्शन से बचाने में भी मदद करता है। खासकर फंगल इंफेक्शन में आप तेजपत्ते के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे किसी भी तरह की समस्या से राहत मिलेगी।

कैसे तैयार करें तेजपत्ते की चाय?

सामग्री

तेजपत्ता	- 3-4
दालचीनी पाउडर	- एक चुटकी
पानी	- 2 कप
शहद	- 1/2 चम्मच
नींबू	- आधा टुकड़ा

बनाने की विधि

सबसे पहले तेजपत्ते को पानी से धोएं और एक पैन में 2 कप पानी गर्म कर लें।
इसके बाद तेजपत्ते को पानी में उबालने के लिए रख दें।
1 मिनट तक इसे उबालें और फिर दालचीनी का पाउडर मिला दें।
मिश्रण को 3-4 मिनट तक उबलने दें। तय समय के बाद इसमें शहद मिलाएं।
आपकी तेजपत्ते से तैयार चाय बन चुकी है। आप इसे छलनी से छान लें।
स्वादअनुसार इसमें नींबू मिलाएं और सेवन करें।

विचार प्रवाह

रिश्ते खून के नहीं, एहसास के होते हैं और एहसास हो तो अजनबी भी अपने हैं। अगर एहसास न हो तो अपने भी अजनबी हैं। गजब का रिश्ता होता है उनसे, जिनसे कोई रिश्ता नहीं होता। एक अच्छा रिश्ता हवा की तरह होना चाहिए। खामोश, मगर हमेशा आस पास। रिश्ता दिल से होना चाहए और नाराजगी दिल से नहीं, शब्दों में होना चाहिए।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7642

बाएँ से दाएँ

1.ध्वज,पताका-2
4.वहम,संदेह-2
6.दलहन-2
7.खाली,रिक्त-2
9.रसूल,अल्लाह-3
12.अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14.सिवाय,बगैर-3
16.इराक की राजधानी-4
17.समधी की पत्नी-4
18.पीसना,महीन करना-3
20.उष्ण,गर्म-3
22.उत्तम,विष्णु अवतार-3
24.परत,तह-2
26.खेती-2
27.अधर,होठ-2
28.ताऊ की पत्नी,बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1.जल प्रपात-3
2.आईल-2
3.हूर,अप्सरा-2
5.सूक्ति,वाणी,शब्द-3
6.पिता के पिता-2
8.स्टार,सितारा-2
10.रोचक,सुंदर,मनोहारी-5
11.शीतलता,मुठभेड़-2
13.सतरंगा,शंकर धनुष-5
14.सिर्फ एक,एकमात्र-3
15.हवस,कामेच्छा-3
19.लाख-2
20.जहर,विष-3
21.आनंदित,मनमौजी-2
22.मुनि,साधु-2
23.अच्छाई,सदाशयता-3
25.सुरक्षा-2
26.कोड़ा,कोट-2

शब्द पहेली -7641 का हल

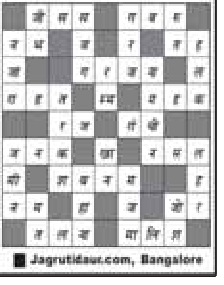

Jagrutidaur.com, Bangalore

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग

भोपाल रेल मंडल से चलने, गुजरने वाली 250 ट्रेनों की स्पीड बढ़ी

भोपाल, यशभारत। रेलवे समय-समय पर तकनीकी बदलाव कर रहा है। अब उसका फोकस ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम पर है। इसको अमल में लाने से भोपाल रेल मंडल से चलने व गुजरने वाली 250 यात्री ट्रेनों की स्पीड बढ़ गई है। ट्रेनों को अब अधिकतम 130 किमी प्रति घंटे की औसत रफ्तार से चलाया जा रहा है। पहले 110 किमी प्रति घंटे की अधिकतम औसत स्पीड से ट्रेनें चल रही थीं। साल के अंत तक स्पीड 160 किमी प्रति घंटे तक पहुंचाने का लक्ष्य है।इस प्रकार भोपाल, जबलपुर व कोटा मंडल के विभिन्न सेक्शनों से चल व गुजर रही 750 से अधिक ट्रेनों की स्पीड बढ़ चुकी है। इनमें भोपाल की 250, जबलपुर की 300 और कोटा की 200 गा?ियां शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि सिग्नलिंग, ट्रैक बदल कर, मेंटेनेंस जैसे कार्य करके विभिन्न सेक्शनों में स्पीड को बढाया जाता है। इन सेक्शनों से जो ट्रेनें चलती या गुजरती हैं, उनकी स्पीड लगातार ब?ती चली जाती है। पिछले डेढ़ साल से भोपाल मंडल ही नहीं, सभी सेक्शनों में मौजूद ट्रैक की स्पीड बढ़ाने का काम रेलवे कर रहा है। नतीजा है कि इन सेक्शनों से गुजरने वाली ट्रेनें भी खासतौर पर पैसेंजर, एक्सप्रेस, मेल व सुपरफास्ट को अब अधिकतम 130 किमी प्रति घंटे की औसत रफ्तार से चलाया जाने लगा है।

160 किमी प्रति घंटे तक पहुंचाने का लक्ष्य

मार्च तक इन सेक्शनों में भी ट्रायल शुरू हो जाएगा

रानी कमलापति स्टेशन से बरखेड़ा-बुदनी सेक्शन में सिग्नल ऑटोमेशन का काम पूरा होने के साथ ही ट्रायल चल रहा है। अब बीना, इटारसी सहित कुछ स्टेशनों के ऐसे सेक्शन बचे हैं, जहां सिस्टम तो लग गया परंतु ट्रायल नहीं हुआ है। मार्च तक बचे हुए इन सेक्शनों में भी यह काम पूरा हो जाएगा। उसके बाद अप्रैल से वहां भी सिस्टम पूरी तरह से काम करने लगेगा। स्टेशन यार्ड के एडवांस स्टार्टर सिग्नल से आगे प्रत्येक एक किमी पर सिग्नल लगाए जाते हैं जिसके फलस्वरुप सिग्नल के सहारे ट्रेनें एक-दूसरे दूसरे के पीछे चलती रहेंगी।

स्मार्ट बनेगी मध्य प्रदेश पुलिस, बीट प्रभारियों को दिए जाएंगे टैबलेट

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश की पुलिस स्मार्ट होगी। सभी बीट प्रभारियों को टैबलेट दिए जाएंगे। इसमें स्मार्ट काप एप इंस्टाल रहेगा। पुलिसकर्मी इस एप्लीकेशन के माध्यम से मौके पर ही प्रकरण की विवेचना कर सकेंगे। किसी अपराधी के बारे में जानकारी भी इसी एप में उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा एप से किसी भी वाहन के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। ऐसे में चेकिंग के दौरान इस एप से पुलिसकर्मियों को काफी सहायता मिलेगी। इसी वर्ष यह सुविधा शुरू करने की तैयारी है। पुलिस अभी क्राइम एवं क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम (सीसीटीएनएस) के माध्यम से अपराध संबंधी डिजिटल रिकार्ड तैयार करती है। यह कंप्यूटर साफ्टवेयर है, जिसमें एफआइआर, विवेचना, घटना स्थल के फोटो व अन्य जानकारी अपलोड की जाती है। अब सभी बीट प्रभारियों को टैबलेट देने की तैयारी है, जिससे वह स्मार्ट काप के सहयोग से मौके पर जानकारी देख सकें और जानकारी अपलोड कर सकें। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि एप सीसीटीएनएस से जुड़ा रहेगा।

बैरागढ़ में पान की दुकान में तोड़फोड़

भोपाल, यशभारत। बैरागढ़ के व्यस्ततम चंचल रोड पर स्थित एक पान की दुकान में घुसकर फिल्मी स्टाइल में तोड़फोड़ करने वाले बदमाशों के खिलाफ बैरागढ़ थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।आरोपितों ने तोड़फोड़ के बाद बैरागढ़ थाने में दबाव बनाकर प्रकरण दर्ज नहीं करने के प्रयास भी किए लेकिन दुकान पर लगे सीसीटीवी फुटेज में बदमाश तोड़फोड़ करते हुए साफ नजर आ रहे हैं। इस आधार पर बैरागढ़ थाना पुलिस ने आरोपितों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है।चंचल रोड पर लिटिल पान भंडार के संचालक गोविंद बागवानी ने थाने में आवेदन दिया था कि विशाल उर्फ मटरू, राहुल वारेसा ने दुकान पर गाली, गलौज कर तोडफोड की है। फरियादी के अनुसार दुकान पर मैं रात को ग्राहकों को सामान दे रहा था कि उसी समय मेरी दुकान पर विशाल उर्फ मटरू और उसके साथ में राहुल बारेसा भी आया और दोनो मुझे मां, बहन की गंदी गंदी गालिया देने लगे और बोले कि तू हमें पान नहीं खिलाता है मैने उसे गाली देने से मना किया तो मटरू ने डंडे से दुकान ने जमकर तोड़फोड़ की।

दो बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज

उत्पात मचाने के बाद जान से मारने की धमकी देकर बदमाश रवाना हो गए। सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद पुलिस को प्रकरण दर्ज करना पड़ा है। इस मामले में फरियादी देर रात को ही थाने में अपने मित्र रवि चांगलानी के साथ रिपोर्ट लिखाने पहुंचा था लेकिन पुलिसकर्मियों ने रिपोर्ट लिखने से इनकार कर दिया था। एएसआई भगवत धुर्वे ने दो आरक्षकों के साथ मिलकर रवि चंगलानी से मारपीट की थी बाद में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस मामले में दो आरक्षकों को निलंबित कर दिया।

मध्य प्रदेश में आदिवासियों को पशुपालन से जोड़ा जाएगा

सरकार उपलब्ध कराएगी दो दुधारू

भोपाल यशभारत। प्रदेश में आदिवासियों (विशेष पिछड़ी जनजाति) को पशुपालन से जोड़कर आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए सरकार दो दुधारू पशु उपलब्ध कराएगी। इन्हें खरीदने में जो राशि खर्च होगी, उसकी भरपाई 90 प्रतिशत अनुदान देकर की जाएगी। इस योजना के लिए एक मार्च को प्रस्तुत होने वाले बजट में प्रावधान किया जाएगा। पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति (बैगा, भारिया और सहरिया) वर्ग को आर्थिक तौर पर सशक्त करने के लिए सरकार कई कदम उठा रही है। इन वर्गों की महिलाओं को एक हजार रुपये विशेष पोषण आहार भत्ता दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इसके लिए योजना को मंजूरी दे चुके हैं। अब बजट प्रविधान किया जा रहा है।सरकार का लक्ष्य सितंबर 2023 तक सभी पात्र हितग्राहियों के प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कराने का है। इसके लिए वर्तमान बजट में सर्वाधिक दस हजार करोड़ रुपये पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नगरीय विकास एवं आवास विभाग को आवंटित किए गए थे। वर्ष 2023-24 में भी दोनों विभागों को लक्ष्य की पूर्ति के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं, जल शक्ति मिशन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को भी पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए जाएंगे।

राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन के लिए डीपीसी टली, दो साल की एक साथ होगी

भोपाल,यशभारत। राज्य प्रशासनिक सेवा (राप्रसे) के अधिकारियों के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) संवर्ग में चयन के लिए सोमवार को प्रस्तावित विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक टल गई है। संघ लोक सेवा आयोग ने सामान्य प्रशासन विभाग को इसकी सूचना देते हुए कहा है कि आगामी तिथि की सूचना जल्द दी जाएगी। विभाग ने एक साथ दो वर्ष 2021 और 2022 की डीपीसी प्रस्तावित की है। प्रदेश में प्रतिवर्ष राज्य प्रशासनिक सेवा से आइएएस संवर्ग में चयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग डीपीसी करता है। इस बार वर्ष 2021 के लिए उपलब्ध 19 पदों के लिए सोमवार को बैठक प्रस्तावित की गई थी। विभाग ने इसकी तैयारी करके प्रस्ताव समय पर भेज दिया था।साथ ही वर्ष 2022 के लिए उपलब्ध आठ नियमित और छह संवर्ग पुनरीक्षण में प्राप्त पदों के लिए डीपीसी करना भी प्रस्तावित किया गया है।

तीन दिन में जल गया 300 टन प्लास्टिक

धुआं इतना कि सांस लेना भी हुआ मुश्किल

भोपाल, ईएमएस। आदमपुर छावनी में शुक्रवार को लगी आग रविवार दोपहर तक बुझ पाई। लेकिन अभी भी वहां धुआं उठ रहा है, इसलिए फायर ब्रिगेड वहां तैनात है। शुक्रवार दोपहर से 10 दमकलें लगातार पानी डालने का काम कर रहीं हैं। एक-एक गा?ी दिन में 10-10 राउंड लगा रही है। अजनाल डैम पर मोटर लगाकर फायर ब्रिगेड के टैंकर भरे जा रहे हैं। तीन दिनों में यहां कम से कम 300 टन प्लास्टिक जल गया। प्लास्टिक कचरे में लगी इस आग से कार्बन मोनो ऑक्साइड, कार्बन डाय ऑक्साइड के साथ बिना जला कार्बन और डाय ऑक्सीन गैस निकल रही है। डाय ऑक्सीन तो कैंसर की वजह बनती है। अन्य गैस भी स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं।

नगर निगम कमिश्नर वीएस चौधरी कोलसानी स्वीकार कर चुके हैं कि आग लापरवाही से लगी है। लेकिन इस आग के कारण आदमपुर छावनी के ग्रामीण परेशान हैं। शाम होते ही धुआं आसमान में छा जाता है और इसके साथ ही शुरू होता है खांसी का सिलसिला। यहां के रहवासी जीतू ठाकुर ने कहा कि खास तौर से बुजुर्गों और बच्चों को परेशानी हो रही है। शाम होते ही खांस-खांस कर उनका हाल खराब हो जा रहा है। सरपंच प्रतिनिधि प्रशांत ठाकुर ने कहा कि यहां बार-बार आग लग रही है। आग शुक्रवार को लगना बताई जा रही है, लेकिन यहां धुआं मंगलवार से उठ रहा है। यानी आग पहले से लगी हुई है, लेकिन इसे रोकने की बजाय बढ़ने दिया गया। अन्य ग्रामीणों ने कहा कि खंती के पास ही हमारे खेत हैं। यह धुआं फसल भी खराब कर सकता है। आशंका जताई जाती है कि यहां से सीमेंट प्लांट को भेजे जाने वाले प्लास्टिक और रिकॉर्ड पर दर्ज होने वाली मात्रा में अंतर है। अंतर पकड़ में ना आए इसलिए प्लास्टिक को जला दिया जाता है।

मंगलवार तक प्रदूषण जांच रिपोर्ट आएगी

पीसीबी के भोपाल रीजनल ऑफिसर बृजेश शर्मा ने बताया कि आदमपुर छावनी में धुएं से वातावरण प्रदूषित होने की शिकायत मिली है। प्रदूषण जांच के लिए दो टीम तैनात कर दी गई हैं। सोमवार या मंगलवार तक जांच की रिपोर्ट आ जाएगी। इस आधार पर सुरक्षा इंतजाम करने की अनुशंसा की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

भाजपा की बैठक :डिजिटल के चक्कर में फिजिकल न भूलो, छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं को भी सुनो

भोपाल, यशभारत। मप्र की 103 हारी हुई सीटों (आकांक्षी) के प्रभारियों के साथ भाजपा की बैठक में एक बार फिर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल ने बड़े नेताओं को कड़ी नसीहत दी। उन्होंने कहा, बूथ विस्तारक अभियान चला रहे हैं। आंकड़ों में आगे हैं, लेकिन नियमित इकाई (न बैठक हो रही न कोई कार्यालय है) नहीं दिखाई दे रही। ऐसा न हो कि डिजिटल के चक्कर में फिजिकल होना ही भूल जाएं। नीचे के छोटे-बड़े और पुराने भाजपाइयों की सुनवाई नहीं हो रही। कार्यकर्ता की सुनोगे नहीं तो काम कैसे चलेगा। जमवाल ने यह भी जोड़ा कि कार्यकर्ता कहता है - 'करें हम, भरें हम और फायदा किसी और को मिलता है।' इसलिए प्रवास, प्रयास भी प्राथमिकता के साथ हो। नीचे समन्वय भी ठीक हो। कार्यकर्ता भी इंसान ही है। उसे नहीं सुनेंगे तो किसे सुनेंगे। प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव ने कहा कि 65 हजार बूथों पर अब 13 लाख कार्यकर्ता जाएंगे जो यह देखेंगे कि वहां राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियां क्या हैं।

विकास यात्रा का सीहोर के बकतरा में समापन, 22 दिन में 10 हजार करोड़ के भूमिपूजन और लोकार्पण

भोपाल, यशभारत। पांच फरवरी से शुरू हुई भाजपा सरकार की विकास यात्रा का रविवार को सीहोर के बकतरा में समापन हो गया। 22 दिन चली यात्रा में 38506 लोकार्पण और 29155 भूमिपूजन हुए। ये करीब दस हजार करोड़रुपए के हैं। यात्रा के दौरान पच्चीस हजार से अधिक प्रदर्शनियां लगाई गईं। बकतरा में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वे जनता के मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि उनके परिवार के मेंबर हैं। इस दौरान उन्होंने 118 करोड़ के विकास कामों का भूमि-पूजन भी किया। उन्होंने कहा कि बकतरा में सीएम राइज स्कूल बनेगा। साथ ही सरकारी स्कूल के बच्चों को मेडिकल में प्रवेश के लिए आरक्षण देने और बुजुर्गों को हवाई जहाज से तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। महाकाल लोक की तर्ज पर अब सलकनपुर में भी देवी महालोक बनाया जा रहा है। सीएम अब जल्द सभी मंत्रियों व विधायकों से विकास यात्राओं की रिपोर्ट लेंगे। इसमें देखा जाएगा कि कहां क्या रिस्पॉन्स मिला। विकास यात्राओं के दौरान लोगों के कामों वाले आवेदन भी लिए गए। नौ लाख से अधिक आवेदन विधायकों, मंत्रियों और मुख्यमंत्री को मिले। इनमें से 7.81 लाख मंजूर हो गए, जबकि 38 हजार खारिज कर दिए गए। सरकार का कहना है कि विकास यात्रा कुल 230 विधानसभाओं के 45 हजार से अधिक गांवों तक पहुंची।

ऋण माफी को कांग्रेस के विरुद्ध हथियार बनाएगी मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल ,ईएमएस। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस जिस किसान ऋण माफी का वादा करके सत्ता में आई थी, उसे अब सरकार कांग्रेस के विरुद्ध ही हथियार बनाएगी। इसके लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों से उन किसानों की जानकारी एकत्र की जा रही है जो ऋण माफी न होने के कारण अपात्र हो गए। ऐसे किसानों की संख्या साढ़े चार लाख से अधिक है। इनके घर-घर जाकर बताया जाएगा कि कमल नाथ सरकार की वादाखिलाफी के कारण ही आप अपात्र हुए हैं। अब आपको मुख्यधारा में लाने के लिए ब्याज का बोझ भाजपा सरकार उठाएगी। उधर, कांग्रेस ने फिर घोषणा कर दी है कि सत्ता में आने पर शेष किसानों की ऋण माफी की जाएगी।प्रदेश में 15 साल बाद कांग्रेस की सत्ता में वापसी का बड़ा कारण किसान ऋण माफी योजना को माना जाता है। पार्टी के वचन से प्रभावित होकर किसानों ने कांग्रेस का साथ दिया और पार्टी ने 230 सदस्यीय विधानसभा में 114 सीटें जीतीं। सपा, बसपा और निर्दलीयों के समर्थन से सरकार बनाई। तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ ने ऋण माफी योजना लागू भी की लेकिन एकमुश्त ऋण माफ करने की जगह चरण निर्धारित कर दिए। दो लाख रुपये तक किसी भी किसान का ऋण माफ नहीं हुआ। उलटा इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि किसानों ने ऋण माफी की आस में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का ऋण नहीं चुकाया। इसके कारण वे सहकारी समितियों से मिलने वाली सुविधाओं के लिए अपात्र हो गए। सहकारिता विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ऐसे किसानों की संख्या साढ़े चार लाख से अधिक है। इनकी बैंकवार जानकारी तैयार कराई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा का किसान मोर्चा ऐसे किसानों से संपर्क करके उन्हें बताएगा कि आप कमल नाथ सरकार की वादाखिलाफी के कारण अपात्र हुए हैं।

लाड़ली बहना योजना के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने शुरू किया सर्वे

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश में पांच मार्च से शुरू की जा रही लाड़ली बहना योजना के लिए आंगनबाड़ी केंद्र स्तर पर सर्वे शुरू हो गया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्यक्षेत्र में घर-घर जाकर 23 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं की सूची तैयार कर रहे हैं और उनसे आधार कार्ड, समग्र आइडी, बैंक खाते की जानकारी सहित अन्य जरूरी दस्तावेज ले रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि 15 मार्च से योजना के आवेदन भरवाने की प्रक्रिया प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में लाड़ली बहना योजना की घोषणा की है। इसमें पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।दो दिन पहले ही कैबिनेट ने योजना को मंजूरी दी गई है और इसके नियम जारी किए गए हैं। इसमें वृद्धा पेंशन की पात्रों को भी फायदा होगा। 60 साल से अधिक उम्र की वह महिलाएं जिन्हें पेंशन दी जा रही है, उन्हें चार सौ रुपये जोड़कर एक हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इस योजना से 25 लाख बुजुर्ग महिलाओं को भी आर्थिक लाभ मिलेगा।

22 हजार पुलिसकर्मियों ने सीखी जिंदगी बचाने की कला

डीजीपी से लेकर आरक्षक तक ने लिया सीपीआर का प्रशिक्षण

भोपाल ईएमएस। कई बार यह सुनने को मिलता है कि हवाई जहाज, ट्रेन या फिर अस्पताल में किसी मरीज को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) देकर बचा लिया गया। इसमें एक निश्चित गति से पीड़ित के सीने को दबाया जाता है। बीच-बीच में मुंह में फूंक मारा जाता है, जिससे कई मरीजों की जिंदगी बच जाती है। प्रदेश पुलिस को भी अब इसका महत्व समझ में आया है। पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना के निर्देश पर शनिवार को प्रदेश भर में पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया। प्रदेश में 250 स्थानों पर 22 हजार पुलिसकर्मियों ने इसमें भाग लिया। पुलिसकर्मियों के स्वजन को भी प्रशिक्षित किया गया। भोपाल में नेहरू नगर पुलिस लाइन में आयोजित प्रशिक्षण में पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना, सभी आइजी, डीआइजी, पुलिस अधीक्षक, कमांडेंट व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीपीआर का प्रशिक्षण स्वास्थ्य विभाग, रेडक्रास और निजी चिकित्सालयों के चिकित्सकों ने दिया।

रक्षित निरीक्षक की सीपीआर से बचाई थी जान

प्रशिक्षण के दौरान पुलिस महानिदेशक सक्सेना ने कहा कि सीपीआर का सही ज्ञान और सही समय पर प्रयोग मरीजों की जीवन रक्षा की दिशा में पहला कदम है। यदि किसी व्यक्ति की हृदय गति रुक जाए तो हास्पिटल पहुंचने के दौरान सीपीआर जीवन रक्षक की तरह काम करती है। इसका ताजा उदाहरण 29 जनवरी को राजधानी भोपाल के ओल्ड कैंपियन मैदान पर देखने को मिला। यहां क्रिकेट खेल रहे रक्षित निरीक्षक दीपक पाटिल को अचानक हार्ट अटैक आया। पुलिस आरक्षक सोनू सिंह व भीम सिंह ने सीपीआर देकर उनकी जान बचाई। डीजीपी ने दोनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

संपत्ति का ब्योरा :2019 में सर्वसम्मति से पारित हुआ था संपत्ति बताने का संकल्प

पिछले दस साल में सिर्फ तीन मंत्रियों ने विधानसभा को दिया संपत्ति का ब्योरा

भोपाल, यशभारत। सोमवार से शुरू हुए विधानसभा के बजट सत्र के पहले यह जानकारी सामने आई है कि 2013 के बाद से पिछले 10 सालों में मप्र के 3 मंत्रियों ने ही अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है जबकि इस दौरान विधानसभा में लगातार संकल्प पारित होते रहे कि सभी मंत्री-विधायक अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करेंगे।

विधानसभा की जानकारी के मुताबिक साल 2019 तक वर्ष 2013 से 2018 के कार्यकाल में मंत्री रहे जयंत मलैया और गौरीशंकर बिसेन को छो?कर दूसरे किसी भी मंत्री ने विधानसभा को संपत्ति की जानकारी नहीं दी। जबकि खुद मंत्रियों ने ही तय किया था कि वे बजट सत्र में स्वेच्छा से अपनी संपत्ति बताएंगे। विधानसभा में संपत्ति का ब्योरा रखने की परंपरा 1990 से प्रारंभ हुई। तब से 2010 तक मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री भी अपनी संपत्ति बताते थे। लेकिन 2011 व 2012 में मुख्यमंत्री के साथ 16 मंत्रियों और 2013 में सीएम के साथ 17 मंत्रियों ने संपत्ति की जानकारी दी।

गोविंद सिंह ने तीनों साल साझा किया ब्योरा

2019 में विधानसभा में एक बार फिर पारित किए गए संकल्प के बाद 3 साल में सिर्फ एक मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने 2019-20 में संपत्ति सार्वजनिक की। इस दौरान कुल 29 मंत्रियों ने संपत्ति का कोई ब्योरा विधानसभा सचिवालय से साझा नहीं किया। 2019 के बाद से 15 विधायकों ने ही 1 या अधिक वर्षों में अपनी संपत्ति का ब्योरा दिया है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह अकेले विधायक हैं जिन्होंने तीनों ही सालों में संपत्ति का ब्योरा दिया है। एनपी प्रजापति जो दिसंबर 2019 में ये संकल्प पारित होते समय विधानसभा अध्यक्ष थे, ने तीन सालों में एक भी बार संपत्ति की जानकारी नहीं दी है। वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने 2020-21 में एक बार संपत्ति का ब्योरा दिया। डॉ. सिंह ने ही संसदीय कार्य मंत्री के रूप में दिसंबर 2019 में सदन में संपत्ति के विवरण के सम्बन्ध में संकल्प पेश किया था।

2019 से इन 15 विधायकों ने दिया ब्योरा

मुख्यमंत्री, डॉ. गोविंद सिंह और डॉ. प्रभुराम चौधरी के अलावा पूर्व मंत्री रामपाल सिंह (2020-2021), शैलेंद्र जैन (2019-2020), अजय टंडन (2019-20), नागेंद्र सिंह (2019-20), आरिफ मसूद (2019-20) और (2021-22), संजय यादव (2019-20) और (2021-22), टामलाल रघुजी सहारे (2020-21), लीना संजय जैन (2019-20), ग्यारसी लाल रावत (2019-20), चैतन्य कश्यप (2019-20) आदि।

अजाक्स कर्मचारियों ने मांगी पदोन्नति

मंत्री बोले-आपकी मांगों को लेकर सरकार गंभीर

भोपाल यशभारत। अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ (अजाक्स) के प्रांतीय अधिवेशन में आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों ने पदोन्नति देने, बैकलाग के पद भरने सहित 26 मांगें रखीं। इस पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट व स्वास्थ्य मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि सरकार आपकी मांगों को लेकर गंभीर है। आप तारीख तय करें, हम साथ चलकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कराएंगे। वे कार्यक्रम में आना चाहते थे, पर किन्हीं कारणों से नहीं आ सके।वहीं, संघ के अध्यक्ष जेएस कंसोटिया ने कहा कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए आने वाली राशि डैम बनाने पर खर्च कर दी जाती है। डैम बनाना भी जरूरी है, पर यह सामान्य वर्ग के लिए आई राशि से बनाएं। हमारी राशि किताबों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करें। भेल के दशहरा मैदान पर रविवार को आयोजित महाधिवेशन में प्रदेशभर से अजा-अजजा वर्ग के हजारों अधिकारी-कर्मचारी एवं समाजबंधु शामिल हुए। यहां दोनों मंत्रियों ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा इस वर्ग के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कंसोटिया ने कहा कि अब आंबेडकरवाद ही देश को आगे ले जा सकता है। समाज में पाखंडवाद कम होने के बजाय ब? रहा है। 25 साल पहले आरक्षण का विरोध नहीं होता था, जो अब हो रहा है। ट्राइबल सब प्लान का विरोध शुरू कर दिया गया। नई प्रवृत्ति विकसित हो गई है। इसका विरोध संगठित रहकर ही किया जा सकता है। पदोन्नति, नियुक्ति और बैकलाग जरूरी है, पर समाज के अन्य मुद्दे भी जरूरी हैं।

कैमोर को स्वच्छ रखने नहीं मिल रहा एसीसी का सहयोग

शासन की महत्वपूर्ण पीएम आवास योजना की राह में भी रुकावट बनी एसीसी

कैमोर, यशभारत। एक ओर जहां कैमोर नगर परिषद नये नये नवाचार कर नगर विकास की नई इबारत लिख रही, नगर को स्वच्छता की रैंकिंग में नम्बर वन पर लाने और हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने हर वार्ड में शिविरों का आयोजन कर रही वहीं नगर में संचालित एसीसी उद्योग प्रबंधन का रवैया न केवल स्वच्छता की राह में रुकावट डाल रहा बल्कि हितग्राहियों को शासन की योजनाओं के लाभ से भी वंचित कर रहा। हाल ही में नगर परिषद द्वारा इस संबंध में एसीसी को पत्र लिखकर स्वच्छता कार्य में सहयोग मांगा गया था। एसीसी के जोनल हेड से मुलाकात कर उन्हें एसीसी कालोनियों की समस्याओं से अवगत भी कराया गया था जिस पर जोनल हेड ने समस्याओं का शीघ्र निराकरण कराने एवं कालोनियों में नियमित साफ-सफाई कराने का आश्वासन भी दिया गया था पर इसके बाद भी समस्याएं जहां की तहां हैं।

उल्लेखनीय है कि कैमोर नगर परिषद में कुल 15 वार्ड हैं। इनमें से वार्ड क्रमांक 8 से लेकर वार्ड क्रमांक 13 तक के दायरे में एसीसी की निजी कालोनियां भी आती हैं। एसीसी की इन कालोनियों में साफ-सफाई से लेकर पेयजल आपूर्ति एवं प्रकाश व्यवस्था की जिम्मेदारी एसीसी की होती है। एसीसी द्वारा पूर्व में इन कालोनियों में सड़क एवं नालियों का निर्माण भी कराया गया था। कुछ ऐसे भी वार्ड हैं जहां एसीसी कालोनी के अलावा दीगर बस्तियां भी हैं। एसीसी कालोनियों को छोड़कर शेष सभी बस्तियों एवं वार्डो में सड़क, पानी, बिजली से लेकर साफ-सफाई का जिम्मा नगर परिषद का है। नगर परिषद अध्यक्ष मनीषा अजय शर्मा एवं उपाध्यक्ष संतोष केवट ने बताया कि एसीसी कॉलोनियों से सम्बंधित वार्ड पार्षदों के आग्रह पर अध्यक्ष-उपाध्यक्ष एवं पार्षदों ने सीएमओ को साथ लेकर एसीसी कालोनियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई जगह सेप्टिक टैंक खुले दुर्गन्ध मारते नजर आये। सड़कें और नालियां भी टूटी-फूटी क्षतिग्रस्त पाई गई। नालियां चोक थीं, गंदा पानी नालियों से बाहर बह रहा था। साफ-सफाई नहीं होने के कारण कचरे का अंबार लगा था। निरीक्षण के तत्काल बाद एसीसी के जोनल हेड वैभव दीक्षित से मिलकर चर्चा की गई। उन्हें बताया गया कि साफ-सफाई में एसीसी का सहयोग नहीं मिला तो कैमोर स्वच्छता की रैंकिंग में पिछड़ जायेगा। जोनल डायरेक्टर ने भरोसा दिलाया कि टूटी सड़कों और नालियों का सुधार कराया जाएगा साथ ही साफ-सफाई भी नियमित रूप से कराई जाएगी। अध्यक्ष श्रीमती शर्मा ने बताया कि भरोसा दिलाने के बाद भी एसीसी मैनेजमेंट ने इसका पालन नहीं कराया। एसीसी की कालोनियों में आज भी वही हाल है। सेप्टिक टैंक खुले पड़े है। अक्सर आवारा पशु इनमें गिर जाते हैं। सड़कों और नालियों का सुधार भी नहीं किया गया। अध्यक्ष के अनुसार इस सम्बंध में एसीसी मैनेजमेंट को पुनः पत्र लिखा गया है अगर इसके बाद भी मैनेजमेंट उचित कदम नहीं उठाती तो परिषद एसीसी कॉलोनियों की सफाई की जिम्मेदारी स्वयं ले लेगी साथ ही एसीसी से स्वच्छता कर सहित अन्य व्यय की वसूली का रास्ता निकाला जाएगा।

पार्क में ताला, ओपन जिम की भी परमिशन नहीं

वार्ड क्रं. 10 में एसडीएम निवास के ठीक बाजू से श्रम उद्यान है। इस श्रम उद्यान में साल भर ताला पड़ा रहता है। पार्क में गंदगी हो जाती है, पेड़- पौधे मुरझा जाते हैं। केवल ध्वजारोहण समारोह के लिए पार्क 26 जनवरी और 15 अगस्त को खोला जाता है। नगर परिषद ने इस पार्क को परिषद के सुपुर्द किये जाने की मांग की थी ताकि इसे विकसित कर सार्वजनिक उपयोग के लिए तैयार किया जा सके पर एसीसी मैनेजमेंट ने मांग स्वीकार नहीं की।आज भी सन्डे मार्केट के समीप मुख्य मार्ग से लगा यह श्रम उद्यान बदहाली का शिकार है। नगर परिषद ने हाल ही में भाटिया मोहल्ला मोड़ के समीप एवरेस्ट इंडस्ट्रीज जी एम बंगले के समीप सेल्फी पॉइंट के पीछे बच्चों के लिए ओपन जिम तैयार किया है। सुबह-शाम बच्चे यहां खेलकूद और मनोरंजन के लिए आते है। परिषद अध्यक्ष ने बताया कि ऐसा ही एक ओपन जिम वार्ड क्रं. 11 में सन्यासी बाबा के समीप तैयार करने का प्रस्ताव है पर एसीसी प्रबंधन इसकी अनुमति नहीं दे रहा।

पीएम आवास का लाभ नहीं मिल पा रहा पात्र लोगों को

प्रधानमंत्री आवास योजना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी योजना है जिससे गरीबों का अपने घर का सपना साकार हो रहा। एसीसी की कालोनियों से बेदखल किये गए सैकड़ों परिवार गड़रिया टोला, डंपर रोड, कैलाश नगर, इंद्रा नगर और अमरैयापार बस्ती में कच्चे मकान और झोंपड़े बनाकर रहते हैं। इनमें से अधिकांश परिवारों को बसने की अनुमति एसीसी ने ही प्रदान की है। इन पिछड़ी और आदिवासी बस्तियों में रहने वाले परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हैं पर जिस जमीन में ये झोपड़े या कच्चे मकान बना कर रह रहे वह जमीन एसीसी के लीज स्वामित्व वाली भूमि है। अगर एसीसी इन भूमियों पर आवास निर्माण के लिए पट्टा या एनओसी दे दे तो लोगों को पीएम आवास योजना का लाभ मिल सकता है पर एसीसी इस दिशा में विचार करने तक को तैयार नहीं।

मन की बात

कटनी,यशभारत। बीडी अग्रवाल वार्ड के बूथ क्रमांक 173,174 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना। इस मौके पर पूर्व पार्षद वेंकट खंडेलवाल, अहमद बख्श, बूथ अध्यक्ष सचिन तिवारी, संयोजक सोशल मीडिया प्रभारी, अनुराग त्रिसोलिया शक्ति केंद्र प्रभारी बीडी अग्रवाल वार्ड, प्रियांशु गुप्ता, संयोजक बी.डी अग्रवाल वार्ड, अमित जार बीएलए, अग्रज लाहरिया, नमन जैन प्रभारी युवा मोर्चा, चंचल कनकने, अमन जैन, संस्कार मिश्रा, नीलेश पटेल की उपस्थिति रही।

केंद्रीय श्रम मंत्रालय से कैमोर में ईएसआई हॉस्पिटल को हरी झंडी

विधायक संजय सत्येंद्र पाठक के प्रयासों से श्रमिक संगठनों की मांगों को मिली मंजूरी

नगर सहित ग्रामीण अंचलों के हजारों ठेका श्रमिकों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

कैमोर,यशभारत। कैमोर औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिक संगठनों की सालों पुरानी मांग को अन्ततः विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के लगातार प्रयासों से कामयाबी मिल ही गई। केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने श्रमिक बहुल इस क्षेत्र में ईएसआई हॉस्पिटल के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। प्रदेश के तीन स्थानों पर ये हॉस्पिटल शुरू होंगे जिसमें एक कैमोर होगा। कैमोर सहित आस-पास के ग्रामीण अंचलों के हजारों ठेका श्रमिकों के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम का यह हॉस्पिटल बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में वरदान साबित होगा। ईएसआई के हॉस्पिटल को मंजूरी मिलने के बाद यहां के श्रमिक संगठनों में इसका श्रेय लेने की होड़ मच गई है जबकि यह सौगात किसी एक के प्रयासों से नहीं बल्कि श्रमिक संगठनों के सामूहिक प्रयासों एवं विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक की लगातार कोशिशों का नतीजा है। उल्लेखनीय है कि श्रमिक बहुल क्षेत्रों में कम आय वाले श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा ईएसआई हॉस्पिटल का संचालन किया जाता है। इस तरह के हॉस्पिटल को स्वीकृति केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय प्रदान करता है जबकि हॉस्पिटल के लिए भूमि की उपलब्धता से लेकर भवन निर्माण एवं हॉस्पिटल के संचालन की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है। कैमोर के श्रमिक संगठन इंटक सहित नवोदित संगठन कैमोर सीमेंट एवं खदान मजदूर संघ द्वारा कई बार केंद्रीय श्रम मंत्रालय के अलावा प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं श्रम मंत्री को पत्र लिखा गया पर श्रमिक संगठनों की यह मांग अनदेखी ही रही। मजदूर संगठनों द्वारा मप्र शासन के पूर्व मंत्री संजय सत्येन्द्र पाठक के संज्ञान में यह मांग लाये जाने पर विधायक श्री पाठक ने अपने स्तर पर प्रयास शुरू किए। प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं श्रम मंत्री सहित स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर कैमोर क्षेत्र में श्रमिकों की बेहतरी के लिए जरूरी बताया। विधायक श्री पाठक ने केंद्रीय श्रम मंत्री से भेंटकर उनसे भी कैमोर में ईएसआई हॉस्पिटल खोले जाने का अनुरोध किया। लगातार कोशिशों के नतीजा यह रहा कि अन्ततः केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दीं। केंद्रीय मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त होने के बाद उप चिकित्सा आयुक्त डॉ रेशमा वर्मा ने क्षेत्रीय निदेशक एव चेयरमैन सहित मेडिकल कमिश्नर को पत्र लिखकर केंद्रीय स्वीकृति का हवाला देते हुए नवीन ईएसआई हॉस्पिटल के लिए शीघ्र आवश्यक इंतजाम कराये जाने का आग्रह किया है।

मजदूर संघ ने जताया विधायक का आभार

बीएमएस से जुड़े श्रमिक संगठन कैमोर सीमेंट एवं खदान मजदूर संघ के अध्यक्ष अनुराग द्विवेदी ने कैमोर में ईएसआई हॉस्पिटल को मंजूरी मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के प्रति आभार जताया है। श्री द्विवेदी ने कहा है कि निसंदेह श्रमिक संगठनों द्वारा इसकी मांग अर्से से की जा रही थी, उनके संगठन ने भी प्रदेश और केंद्र को पत्र लिखा था पर मजदूर संगठनों की मांग की कहीं न कहीं अनदेखी हो रही थी। स्वीकृति केंद्र से मिलनी थी जबकि संचालन राज्य सरकार को करना था। केंद्र और राज्य सरकार की सहमति के बाद ही यह काम होना था। विधायक श्री पाठक के संज्ञान में यह मांग लाने के बाद उन्होंने कई बार प्रदेश सरकार के मंत्रियों एवं मुख्यमंत्री से भेंट कर चर्चा की, केंद्रीय श्रम मंत्री से भी मिले। विधायक के लगातार प्रयासों से ही क्षेत्र के मजदूरों को यह सौगात मिली है। मजदूर संघ के अध्यक्ष अनुराग द्विवेदी ने यह भी कहा कि क्षेत्र और जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने विधायक ने पहले भी अनेक सराहनीय कार्य किये हैं। चाहे जिला चिकित्सालय में पूज्य पिता सत्येन्द्र पाठक जी की स्मृति में सर्वसुविधायुक्त यूनिट का निर्माण हो या क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों में एम्बुलेंस की व्यवस्था सब में विधायक आगे रहते हैं।

बैक टू स्कूल थीम पर सायना किड्स स्कूल में आयोजित हुई पेरेंट्स टीचर कॉफी टेबल मीटिंग

कटनी, यशभारत। आमतौर पर बच्चों की बेहतर ग्रोथ में पेरेंट्स के बाद सबसे बड़ा योगदान टीचर का होता है जहां पेरेंट्स घर पर बच्चों को गाइड करने का काम करते हैं तो वही स्कूल में टीचर भी बच्चो का व्यक्तित्व निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ते। माता और पिता की टीचर्स से मुलाकात पेरेंट्स टीचर मीटिंग में ही होती है लेकिन सायना किड्स ने कुछ हटकर अलग करते हुए किड्स स्कूल में पड़ने बाले बच्चों के पेरेंट्स को एक कॉफी टेबल मीटिंग के लिए आमंत्रित किया जिसका थींम था बैक टू स्कूल लगभग सभी पैरेंट्स ने इस मीटिंग में हिस्सा लिया। मीटिंग में स्कूल पैरेंट्स के साथ वही सारी एक्टिविटीज की जो डेली रूटीन में बच्चों के साथ करते हैं जैसे बच्चों को हम सुबह वार्मअप, प्रेयर, राष्ट्रगान, रनिंग, क्लास एक्टिविटी आदि कराते है वही पेरेंट्स के साथ भी कराई और पेरेंट्स को उनकी बचपन की यादों की ओर ले गए जिससे पेरेंट्स को भी बहुत अच्छा लगा सभी पेरेंट्स ने बहुत एंजॉय किया। सायना इंटरनेशनल स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. आदित्य कुमार शर्मा ने भी अपने बचपन के अनुभव को सभी उपस्थित पैरेंट्स टीचर के साथ शेयर किया और हम सभी का मार्गदशन किया और इस सफल कार्यक्रम की बधाई दी।

सायना किड्स स्कूल की हेड मिस्ट्रेस मॉम डॉ. भारती शर्मा के साथ सभी किड्स स्कूल के टीचर स्टॉफ की उपथिति रही। स्कूल के पैरेंट्स ने आगामी सत्र में भी इस तरीके मीटिंग का आयोजन करते रहने की सलाह दी।

शासकीय कन्या माध्यमिक शाला देवरा कला में बाउंड्री वाल निर्माण हेतु 20 लाख रुपए स्वीकृत

कटनी,यशभारत। जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा विकास यात्रा के दौरान विजयराघवगढ़ क्षेत्र के शासकीय कन्या माध्यमिक शाला देवरा कला में बाउंड्री वाल निर्माण हेतु की गई घोषणा के पालन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम के तहत 20 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। देवरा कला में विकास यात्रा के दौरान विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक की मौजूदगी में मांग पर प्रभारी मंत्री श्री देवड़ा ने वाउंड्री वाल निर्माण की घोषणा की थी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम के तहत स्वीकृत इस कार्य को मनरेगा के लिए तय मापदंडों के अनुरूप कार्य कराया जाना सुनिश्चित करना है ।साथ ही इसके दिशा-निर्देशों का भी पालन करना होगा। कार्य पर लगने वाली सामग्री आदि के क्रय करने में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी भंडार एवं सेवा उपादान निर्देशिका का भी पालन करना होगा।

जैविक सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी के प्रशिक्षण में दी गई अहम जानकारियां

अजीविका मिशन के तहत बड़वारा के खरहटा में आयोजन

कटनी, यशभारत। कटनी जिले के विकासखंड बड़वारा के ग्राम पंचायत खरहटा मैं मध्यप्रदेश शासन ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कटनी के प्रबंधक मनोहर लाल अहिरवार के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण समन्वयक सुनील रजक तथा अनुपम पांडे के सहयोग से प्रशिक्षक रामसुख दुबे द्वारा जैविक सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है यह प्रशिक्षण स्व सहायता समूह एवं प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत मनरेगा में 100 दिन कार्य किए हुए परिवार के सदस्यों को स्वरोजगार आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबन के लिए 35 प्रशिक्षणार्थियों को 10 दिवसीय जैविक सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में व्यावसायिक सब्जी उत्पादन जैविक खेती की आवश्यकता रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के उपयोग से भूमि मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को हो रहे नुकसान की जानकारी दी गई। गोमूत्र से बीज उपचार कीटनाशक शीघ्र खाद पौध वर्धक बनाने एवं फसलों में उपयोग। पत्तेदार जड़ एवं कंद तथा शल्क फूल एवं फलों वाली सब्जियों एवं खरीफ रबी तथा जायद में लगाने वाली सब्जियों की तकनीकी जानकारी का प्रशिक्षण दिया गया। जैविक खेती के फायदे एवं सब्जियों को काटने वाले। कुतरने वाले रस चूषक तथा फल छेदक कीटों उगरा उकठा जड़ सड़न पौधे गलन आदि रोगों के लक्षण एवं उनके नियंत्रण का प्रशिक्षण दिया गया।

5वी और 8वी के पाठ्यक्रम में हाईकोर्ट ने छात्रों को दी राहत

कटनी,यशभारत। 24 फरवरी मप्र राज्यशासन के शिक्षा विभाग द्वारा मध्य सत्र में प्राईवेट स्कूलों मे 5वीं, 8वीं बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा आयोजित कराने संबंधी पत्र 12.09.2022 को जारी किया गया। जिसमें प्राईवेट स्कूलों के छात्रों को भी सत्र 2022-23 में बोर्ड पैटर्न की शासकीय परीक्षा में शामिल करने के आदेश दिए गए। निर्देशों में पाठयक्रम मप्र पाठय पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित सभी विषयों की पुस्तको को आधार बनाकर परीक्षा आयोजित कराने की बात कही गई।

प्राइवेट स्कूल के छात्रों मे इस प्रकार के आधा सत्र बीत जाने के बाद जारी आदेशों से अध्ययनरत बच्चों में मानसिक तनाव उत्पन्न होने की बात प्राईवेट स्कूलों की प्रदेशव्यापी संस्था अशासकीय विद्यालय परिवार द्वारा एक पत्र के माध्यम से आयुक्त राज्य शिक्षा केन्द, भोपाल को लिखी गई एवं अनुरोध किया गया कि चूकि यह परीक्षा आरण्टीण्ई एक्ट 2009 की भावनाओ के अनुरुप नही है अतः इसे तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए एवं ध्यानाकर्षण कराया गया कि जहाँ नई शिक्षा नीति 2022 केवल 12वीं में ही बोर्ड परीक्षा कराने की बात करती है, ऐसे में 5वीं, 8वीं बोर्ड पेटर्न की परीक्षा का कोई औचित्य नही है। परन्तु राज्य शिक्षा केन्द, द्वारा 29.09.22 को अर्धवार्षिक परीक्षा 7 नवम्बर 2022 से अपने निर्धारित पाठयक्रम द्वारा कराने के निर्देश जारी कर दिऐ गए। अशासकीय विद्यालय परिवार को राज्य शिक्षा केन्दऊ द्वारा कोई भी जवाब न प्राप्त होने पर छात्र हित में माननीय हाईकोर्ट की शरण में जाना पड़ा। इस प्रकार की याचिका सागर निवासी अभिभावक उर्मिला साहू द्वारा जबलपुर हाईकोर्ट एवं देवास अशासकीय संचालक शिक्षण संघ तथा मप्र प्रान्तीय अशासकीय शिक्षण संस्था संघ भोपाल द्वारा इन्दौर खण्डपीठ में भी दायर की गई। 22 फरवरी 2023 को माननीय हाईकोर्ट जबलपुर द्वारा दोनो पक्षों को गंभीरता से सुनने के पश्चात पाया कि पाठ्यक्रम में मध्य सत्र में बदलाव से बच्चों के शैक्षणिक मूल्यांकन में अनियमितता की संभावना को दृष्टिगत रखते हुएएअशासकीय विद्यालय परिवार मप्र संस्था से जुड़े समस्त सदस्यों एवं उर्मिला साहू के पाल्य के विद्यालय ओम हायर सेकेन्ड्री स्कूल सागर को 12.09.22 के पत्र में पाठयक्रम संबंधी अनिवार्यता से मुक्त करते हुए उनकी शालाओं में चल रहे पाठयक्रम के आधार पर मूल्यांकन कराऐ जाने का आदेश पारित किया गया। याचिका कर्ता अशासकीय विद्यालय परिवार के अध्यक्ष मोहन नागवानीए लीगल सेल के प्रभारी एडवोकेट दीपक पंजवानी एवं सचिव जुगल मिश्रा द्वारा माननीय हाईकोर्ट को धन्यवाद देते हुए छात्रों में अर्ध शिक्षण सत्र में पारित आदेश से जनित मानसिक तनाव एवं व्यवस्था संबंधी जटिलताओं को दृष्टिगत रखते हुए इस सत्र में बोर्ड पैटर्न परीक्षा को आयुक्त राज्य शिक्षा केन्द द्वारा स्थगित किए जाने का अनुरोध किया गया है।

जिला अस्पताल में 500 का आंकड़ा पार तो निजी अस्पतालो में 11 सौ मरीज पहुंच रहे रोज

कटनी, यशभारत। कटनी शहर सहित ग्रामीण अंचलों में लगातार बढ़ती मौसमी बीमारियों ने लोगों की नींद हराम कर दी है। ठंड के बाद गर्मी आते ही मौसमी बीमारियां फैलने लगीं। हर घर मौसमी बीमारियों से ग्रसित है। शहर के जिला अस्पताल समेत निजी अस्पतालों में मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ी हैं। ओपीडी में परामर्श स्लीप काउंटर से लेकर डॉक्टर तक परीक्षा केंद्र और दवा काउंटर तक मरीजों की आमद देखी जाती है। मरीजों को लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। साथ ही अस्पताल पहुंचने में देरी से मरीजों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि जिला अस्पताल में 700 से 800 मरीज बाहर रह रहे थे, लेकिन गर्मी शुरू होने बाद बाहर आने वाले मरीजों की संख्या 1100 के पार पहुंच गई है। अस्पताल के ओपीडी में कंसल्टेशन, प्रिस्क्रिप्शन काउंटर, परीक्षा कक्ष और दवा काउंटर पर मरीजों की लंबी कतार देखी गई। मरीज कतार में अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। डाक्टरों का कहना है कि अभी तक डेंगू और मलेरिया का कोई प्रकोप नहीं है। जो एक बड़ी राहत है। डाक्टर ने ने बताया कि बारिश के बाद खांसी, जुकाम, बुखार, गले में खराश, डायरिया, पेट दर्द के मरीज आए हैं। मौसमी बीमारी छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक को प्रभावित करती है। अस्पताल पहुंचने वाले मौसमी रोगों के 200 से ज्यादा मरीज भी शामिल हैं।

IPL से बाहर हो सकते हैं बुमराह

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल खेलने पर भी संशय, वनडे वर्ल्ड कप में कर सकते हैं वापसी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह IPL 2023 से बाहर हो सकते हैं। वहीं अगर भारत वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचता है तो उनके खेलने पर संशय है। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल इंग्लैंड में जुलाई में होना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट उनकी चोट को लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है। वह अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वर्ल्ड कप में वापसी कर सकते हैं।

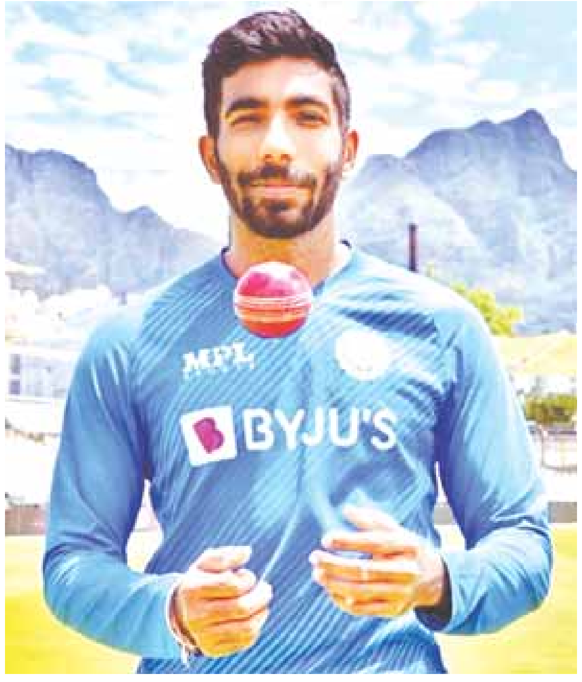

NCA में रिहैब कर रहे हैं बुमराह

बुमराह ढ्ढक्क में मुंबई इंडियंस टीम से खेलते हैं। वह इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (ह्लष्ट) में रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। वहां पर पिछले कुछ समय गेंदबाजी का अभ्यास भी कर रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी 2 मुकाबलों में खेलते हुए दिख सकते हैं, लेकिन चयनकर्ताओं ने उनकी फिटनेस के आधार पर किसी तरह का कोई खतरा ना उठाते हुए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया। उसके बाद उम्मीद की जा रही थी कि वह मार्च-अप्रैल में होने वाले ढ्ढक्क से वापसी कर सकते हैं, लेकिन अब खबर आ रही है कि उनके फिट होने में समय लग सकता है।

टीम मैनेजमेंट का फोकस वर्ल्ड कप

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ढ्ढक्क 2023 और जून में खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी खेलने पर संशय है। ऐसे में बुमराह अब इस साल के अंत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में वापसी कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, क्चष्टष्ठ और टीम मैनेजमेंट ने बुमराह को इस साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में वापसी कराने का लक्ष्य रखा है। वनडे वर्ल्ड कप इस साल भारत में अक्टूबर- नवंबर में होना है।

7 महीने से क्रिकेट से दूर हैं बुमराह

बुमराह पिछले 7 महीने से क्रिकेट से दूर हैं। उन्होंने आखिरी मैच सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में खेला था। दरअसल पिछले साल जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर बुमराह को पीठ में परेशानी सामने आई थी। स्ट्रैस फेक्कर की वजह से बुमराह एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में वापसी की, लेकिन 2 मैच के बाद ही वह बाहर हो गए। इसके बाद टी-20 वर्ल्ड कप से भी बुमराह पूरी तरह से बाहर हो गए थे।

हरमनप्रीत को जिम्मेदारी से दौड़ना चाहिए था

विमेंस टी-20 वर्ल्ड चैंपियन एलिसा हीली बोलीं कोशिश में कमी के कारण रनआउट हुईं हरमन

कैपटाउन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड कप विनिंग विकेटकीपर बैटर एलिसा हीली ने कहा कि हरमनप्रीत थोड़ा और एफर्ट लगाकर दौड़ती रन पूरा कर लेतीं। वह बोलीं कि हरमन को जिम्मेदारी से दूसरा रन लेना चाहिए था। अगर वे थोड़ा बेहतर एफर्ट लगातीं तो थ्रो आने से पहले ही रन पूरा कर लेतीं। न ही उनका बैट पिच में अटकता और न ही वे रन आउट होतीं।

हरमन ने बताया था खुद को अनलकी

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अहम मौके पर रनआउट हो गई थीं। दूसरा रन पूरा करने के दौरान उनका बैट पिच में अटक गया और वे रन पूरा नहीं कर सकी थीं। मैच के बाद हरमन ने कहा था कि वे अनलकी रही और किस्मत खराब थी। अगर बैट नहीं अटकता तो वे रन पूरा कर लेतीं और नतीजा कुछ और भी हो सकता था।इस रनआउट से पहले भारत को 33 बॉल पर 41 रन की जरूरत थी। रनआउट के बाद टीम इंडिया 32 बॉल में 34 रन ही बना सकी और 5 रन से मैच हार गई।पिच में बैट अटक जाने के बाद हरमनप्रीत कौर रन आउट हो गई। फैसला देखने के बाद हरमन निराश हो गई और उन्होंने बैट हवा में फेंक दिया था।

आप पूरी जिंदगी अनलकी हो सकते हो

सेमीफाइनल के बाद हीली ने एक इंटरव्यू में कहा कि आप पूरी जिंदगी किस्मत को वजह बता कर खुद को अनलकी बता सकते हो। लेकिन, हरमन अगर थोड़ा जिम्मेदारी से रन लेने के लिए दौड़तीं और निश्चित ही थ्रो आने से पहले क्रीज पार कर जातीं। उन्होंने दूसरा रन बहुत ढीले तरीके से लिया। वे क्रीज तक पहुंच भी गई, लेकिन उनका बैट अटक गया और वह आउट हो गई। वर्ल्ड कप जैसे मोमेंट्स में आप अपने एफर्ट में कमी नहीं दिखा सकते। इस तरह की सिचुएशन में आपको पूरी एनर्जी और पूरे एफर्ट लगाकर खेलना होता है।

हीली ने ही उड़ाई थीं गिल्लियां

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सेमीफाइनल में 15वें ओवरर की चौथी बॉल पर हरमनप्रीत कौर रन आउट हुई। ऑस्ट्रेलियाई फील्डर के थ्रो पर कीपर हीली ने ही गिल्लियां उड़ा दी थीं। हरमन 34 बॉल में 52 रन बनाकर आउट हुई और अपनी टीम को मैच जिताकर फाइनल में नहीं पहुंचा सकीं।

ऑस्ट्रेलिया ने ही जीता वर्ल्ड कप

भारत को सेमीफाइनल में हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता। टीम ने फाइनल में साउथ अफ्रीका को 19 रन से हराया। एलिसा हीली ने मैच में 18 रन बनाए। जबकि 74 रन की नाबाद पारी खेलने वाली ओपनर बेथ मूनी प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

क्रिकेटर केएल राहुल ने पत्नी अथिया संग किए महाकाल दर्शन

शादी के बाद आशीर्वाद लेने पहुंचे ; भस्म आरती में हुए शामिल, लाइन में लगकर पहुंचे गर्भगृह

उज्जैन, यशभारत। भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल अपनी पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अथिया शेट्टी के साथ रविवार सुबह महाकाल मंदिर पहुंचे। यहां दोनों ने भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। दोनों पिछले महीने ही में विवाह बंधन में बंधे हैं। शादी के बाद ये कपल पहली बार महाकाल का दर्शन करने उज्जैन पहुंचा। दोनों ने करीब 2 घंटे तक महाकाल मंदिर के नंदी हॉल में बैठकर तड़के होने वाली भस्म आरती का दर्शन लाभ लिया। इसके बाद गर्भगृह में जाकर पूजन अभिषेक भी किया। केएल राहुल और अथिया शेट्टी रविवार सुबह महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए। उन्होंने गर्भगृह में महाकाल की पूजा-अर्चना की।

लाइन में लगकर किए दर्शन

नव दम्पती अल सुबह करीब 4 बजे मंदिर पहुंचे, भस्म आरती संपन्न होने के बाद दोनों लाइन में लगकर गर्भगृह पहुंचे यहां करीब 10 मिनिट तक पूजन-अर्चन कर भगवान का आशीर्वाद लिया। इस दौरान अथिया बेहद सादगी पूर्ण तरीके से साड़ी में नजर आई तो वही केएल राहुल धोती व सोला पहनकर दर्शन करने पहुंचे थे।

मीडिया से बनाई दूरी

महाकाल मंदिर में दर्शन के बाद दोनों आशीष पुजारी और संजय पुजारी के कक्ष में पहुंचे, यहाँ दोनों ने पुजारियों से भी आशीर्वाद लिया। इसके बाद जब मीडिया ने उनसे बात करनी चाही तो दोनों ने बात करने से इंकार कर दिया।

टेस्ट सीरीज के लिए पहुंचे हैं इंदौर

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 1 मार्च से इंदौर में खेला जाएगा। इस टेस्ट के लिए लिए ही केएल राहुल पत्नी अथिया के साथ शनिवार को इंदौर आए हैं। मैच से पहले समय निकालकर दोनों उज्जैन पहुंचे थे। टीम इंडिया के अन्य खिलाड़ी भी अलग-अलग फ्लाइट से इंदौर पहुंचे। चेतेश्वर पुजारा व जयदेव उनादकट शनिवार शाम को तो तेज गेंदबाज उमेश यादव, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, केएस भरत, मोहम्मद सिराज, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कोच राहुल द्रविड रात को इंदौर आए। इस समय भारतीय टीम 4 मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है।

23 जनवरी को हुई थी शादी

केएल राहुल और अथिया शेट्टी की शादी 23 जनवरी को अभिनेता सुनील शेट्टी के खंडाला वाले फार्म हाउस में हुई थी। शादी के बाद सुनील शेट्टी ने अथिया और केएल राहुल की एक खूबसूरत फोटो शेयर कर प्यार भरी पोस्ट भी लिखी थी। सुनील शेट्टी ने अपने पोस्ट में लिखा था, प्यार और विश्वास के साथ सही शख्स का हाथ पकड़ना हमेशा सही होता है। किसी भी रिश्ते को मजबूती प्यार और विश्वास ही देता है। तुम दोनों को ढेर सारी बधाई मेरे बच्चों। भगवान आशीर्वाद दें। सुनील शेट्टी ने अपने पोस्ट में लिखा था, प्यार और विश्वास के साथ सही शख्स का हाथ पकड़ना हमेशा सही होता है। किसी भी रिश्ते को मजबूती प्यार और विश्वास ही देता है। तुम दोनों को ढेर सारी बधाई मेरे बच्चों। भगवान आशीर्वाद दें।

लंबे समय से डेट कर रहे थे अथिया-राहुल

राहुल और अथिया करीब 4 साल से रिलेशनशिप में थे। राहुल भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार प्लेयर हैं, जबकि अथिया एक्ट्रेस हैं। दोनों का परिवार कर्नाटक से ही संबंध रखता है। अथिया ने अपने करियर में 4 फिल्में की हैं। सलमान खान के प्रोडक्शन तले बनी फिल्म हीरो से उन्होंने डेब्यू किया था।

बॉलीवुड गानों पर पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया ने किया जबरदस्त डांस

शेयर किए दोस्त की शादी के वीडियोज, गोल्डन शरारे में दिखीं बेहद खूबसूरत

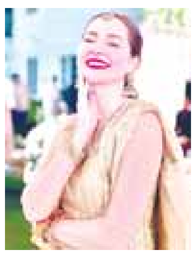

मुंबई, ईएमएस। RRR के गाने नाटू-नाटू पर अपने डांस परफॉर्मेंस से सुर्खियां बटोरने के बाद पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर ने अपने दोस्त की शादी के अन्य वीडियोज भी शेयर किए हैं, जिनमें वो बॉलीवुड गानों पर जबरदस्त डांस करते हुए नजर आ रही हैं। गोल्डन शरारे और स्नीकर्स में हानिया बिजली-बिजली, करंट लगा और कोई मिल गया सहित कई इंडियन गानों पर थिरकती हुई नजर आ रही हैं। उनसे साथ शादी में आए मेहमान भी डांस कर रहे हैं। वीडियोज के अलावा हानिया ने शादी की कुछ फोटोज भी शेयर की हैं। हानिया ने इंस्टाग्राम पर अपने डांस वीडियोज और कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं। पोस्ट शेयर करते हुए हानिया ने लिखा- 'शादी डंप। मेरे पसंदीदा डांस पार्टनर नेहल वजाहत के साथ।' बता दें कि हानिया ने पहले नाटू-नाटू पर डांस किया था, जो कि सोशल मीडिया पर खूब फेमस हुआ था।

मुझे नहीं पता शहनाज के अंदर कौन सा टैलेंट है

शहनाज गिल पर भड़की सोना महामात्रा, बोलीं- छोटे-मोटे फेम के अलावा है क्या उनके पास...

मुंबई, ईएमएस। सोना महापात्रा ने साजिद खान को सपोर्ट करने पर शहनाज गिल पर निशाना साधा था। अब एक बार फिर से उन्होंने शहनाज गिल पर भड़ास निकाली है। दरअसल शहनाज गिल का हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वो अजान का सम्मान करते हुए कुछ देर के लिए चुप हो गई थीं। उनके इस जेस्चर की लोगों ने काफी तारीफ की थी।हालांकि सिंगर सोना महापात्रा ने शहनाज ने इस जेस्चर के बाद उन्हें ट्रोल किया। सोना का कहना है कि उनको थोड़ी रिस्पेक्ट अपनी बहनों के लिए भी दिखानी चाहिए थी, जब उन्होंने मीटू के आरोपी साजिद खान का सपोर्ट किया था। सोना महापात्रा ने सोशल मीडिया के जरिए इशारों-इशारों में कहा है कि शहनाज ने जो रिस्पेक्ट अजान के लिए दिखाई, वही रिस्पेक्ट साजिद खान का सपोर्ट न करके यौन पीड़ा झेल रहीं उन बहनों के लिए भी दिखा सकती थीं।

अच्छा होता थोड़ी रिस्पेक्ट अपनी बहनों के लिए भी दिखाती..

सोना महापात्रा ने शहनाज गिल पर कटाक्ष करते हुए हाल ही में एक ट्वीट किया था। उस ट्वीट में उन्होंने लिखा , ट्विटर पर शहनाज का रिस्पेक्ट वाला एक्ट देख मुझे वो बात याद आ रही है जब उन्होंने कई लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने वाले शख्स साजिद खान का खुलेआम समर्थन किया था। अच्छा होता अगर उन्होंने थोड़ी रिस्पेक्ट उस वक्त अपनी बहनों के लिए भी दिखा दी होती। इस ट्वीट के बाद शहनाज के फैंस ने सोना को काफी ट्रोल किया। अब ट्रोलर्स को जवाब देने के लिए सोना महामात्रा ने एक और ट्वीट किया है।

शहनाज के अंदर कौन सा टैलेंट है..

अपने दूसरे ट्वीट में उन्होंने शहनाज के करियर पर ही सवालियां निशान लगा दिया। उन्होंने लिखा, पहले जैकलीन और अब शहनाज के सपोर्ट में खड़े होने ट्रोलर्स को एक बात बताना चाहूंगी। मुझे नहीं पता कि शहनाज के अंदर कौन सा स्पेशल टैलेंट है। छोटे-मोटे रियलिटी शोज वाले फेम के अलावा उनके पास है ही क्या। मैं ऐसी महिलाओं को जानती हूं जो रोल और मनी के लिए ऐसे शॉर्टकर्ट्स अपनाती हैं। बिग बॉस के 16वें सीजन में कॉन्ट्रोवर्सियल फिल्म डायरेक्टर साजिद खान की एंट्री हुई थी। उन्हें बिग बॉस की पूर्व कंटेस्टेंट रहीं शहनाज गिल ने एक वीडियो संदेश के जरिए सपोर्ट किया था। जिसकी वजह से उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

2018 में लगे थे साजिद पर मीटू के आरोप

2018 में साजिद पर 10 महिलाओं ने मीटू मूवमेंट के तहत यौन शोषण के आरोप लगाए थे। जिस वजह से इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन एसोसिएशन साजिद को एक साल के लिए बैन कर दिया था। साजिद को इस दौरान कई फिल्मों से हाथ धोना पड़ा था। कनिष्का सोनी, शर्लिन चोपड़ा, रानी चटर्जी, जिया खान, मंदाना करीमी समेत कई एक्ट्रेसेस ने साजिद पर हैरेसमेंट के आरोप लगाए थे।

साउथ की फिल्में हिंदी की तुलना में बेदाग होती हैं

नसीरुद्दीन शाह बोले- हिंदी फिल्मों ने सभी धर्मों का मजाक बनाया है, 100 सालों से यही हो रहा..

मुंबई, ईएमएस। नसीरुद्दीन शाह इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ताज डिवाइडेड बाय ब्लड के प्रमोशन में बिजी हैं। इस दौरान उन्होंने हिंदी और साउथ फिल्मों के बीच तुलना पर बात की। उनका कहना है कि हिंदी की तुलना में साउथ वाले फिल्म बनाते समय काफी मेहनत करते हैं। नसीरुद्दीन के मुताबिक, साउथ की फिल्में भले देखने में कैसी भी हों, लेकिन उनका काम हमेशा बेहतर और बेदाग होता है। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि हिंदी फिल्मों ने हमेशा सभी धर्मों का मजाक बनाया है।

हिंदी फिल्मों में सभी धर्मों का मजाक बनाते हैं..

नसीरुद्दीन शाह का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उनका कहना है कि हिंदी फिल्में अभी भी उसी दकियानूसी स्वभाव पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, हिंदी फिल्मों में हमेशा सिख, ईसाई और पारसी धर्म के लोगों का मजाक बनाया जाता है। दूसरों के दुख पर हंसना एक राष्ट्रीय रिवाज बन गया है। हमारा कोई मजाक बनाता है तो हमें दुख होता है, लेकिन हम दूसरों का मजाक बनाते समय बिल्कुल नहीं सोचते। हम 100 सालों से फिल्में बना रहे हैं, और इन 100 सालों में वहीं फिल्में बनाते हैं जिसमें दूसरों के धर्म का मजाक बनाया जा रहा हो।

क्या है ताज डिवाइडेड बाय ब्लड की कहानी?

ताज डिवाइडेड बाय ब्लड 3 मार्च 2023 से श्वश्व5 पर स्ट्रीम होनी शुरू हो जाएगी। सीरीज की कहानी मुगल शासन काल की है, जब अकबर अपनी विरासत के लिए एक योग्य उत्तराधिकारी का चुनाव कर रहे थे। सीरीज अकबर के शासन के दौर की कला, कविता, क्रूरता और वास्तुकला के बारे में बताती नजर आएगी। हालांकि, इससे पहले भी कई फिल्में अकबर के शासन काल की कहानी दिखा चुकी हैं। नसीरुद्दीन शाह इसमें अकबर की भूमिका में हैं। नसीरुद्दीन के अलावा धर्मेंद्र, अदिति राव हैदरी, आशिमा गुलाटी, ताहा शाह, संध्या मृदुल और शुभम कुमार मेहरा भी इस सीरीज में अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे।

साउथ की फिल्में हिंदी की तुलना में ज्यादा रिलेटेबल..

नसीरुद्दीन शाह के मुताबिक, तमिल कन्नड़, मलयालम और तेलुगु इंडस्ट्री की फिल्में हिंदी फिल्मों की तुलना में अधिक रिलेटेबल होती है। गौरतलब है कि हाल के सालों में आमिर खान और अक्षय कुमार जैसे बड़े बॉलीवुड स्टार्स की फिल्में कांतारा जैसी साउथ की छोटी बजट की फिल्मों से पीछे रह गई हैं। आरआरआर और केजीएफ 2 ने बॉलीवुड फिल्मों को आईना दिखा गया है।

लाल किले को एक मुगल ने ही बनवाया था- नसीरुद्दीन

नसीरुद्दीन शाह ने मुगलों को आक्रमणकारी और विनाशकारी बताए जाने वाली बात पर भी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा, मुगल यहां लूटपाट करने नहीं आए थे। वे इसे अपना घर बनाने के लिए यहां आए थे और उन्होंने वही किया। उनके योगदान को कैसे भूला जा सकता है। हम लाल किले को इतने सम्मान के नजरिए से क्यों देखते हैं जबकि बनवाया तो उसे एक मुगल ने ही था। हमें बार-बार उन्हें बदनाम नहीं करना चाहिए। नसीरुद्दीन शाह का कहना है कि मुगलों ने यहां लाल किला, ताजमहल जैसे स्मारक बनवाए। उनकी मंशा यहां लूटपाट करना नहीं था बल्कि वो यहां अपना घर बनाने आए थे।

'शायद वो टीवी पर लोगों को फेक लगे होंगे'

अरबाज खान ने उठाए शाहरुख की होस्टिंग स्किल्स पर सवाल, बोले- इसलिए KBC में अमिताभ ज्यादा सक्सेफुल हुए

मुंबई, एजेंसी। एक्टर अरबाज खान इन दिनों अपने चैट शो 'द इनविन्सिबल्स विद अरबाज खान की वजह से बेहद सुर्खियों में हैं। अब हाल में मीडिया को दिए इंटरव्यू में अरबाज ने शाहरुख की होस्टिंग स्किल्स पर सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि शाहरुख कौन बनेगा करोड़पति को उतने अच्छे से नहीं कर सके, जबकि मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने शो को सक्सेसफुली हैंडल किया है।

अरबाज ने अपनी कम्यूनिकेशन स्किल्स पर की बात- फ्री प्रेस जनर्ल को दिए इंटर्व्यू में जब अरबाज से उनके चैट शो द इनविंसिबल्स विद अरबाज के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा- 'मुझे लगता है कि मेरी कम्युनिकेशन स्किल्स जिस तरह की हैं, मेरे अंदर ये सारी चीजें स्वभाविक रूप से हमेशा से रही हैं। लोगों ने मुझे देखकर यही सोचा होगा, कि मैं बतौर होस्ट काफी मिलनसार और नेचुरल हूं। मेरी फिल्मी इमेज काफी अलग थी, क्योंकि जब मैं कोई किरदार निभाता हूं, तो लोग मेरा पर्सनल साइड देखते हैं।

नेवेल्स ओल्ड बॉयज से जुड़ सकते हैं मेसी

जिस टीम ने 8 साल की उम्र में मौका दिया, वहां लौट सकते हैं मेसी ; बेकहम का क्लब भी रेस में

नई दिल्ली, एजेंसी। जनवरी में फुटबॉल ट्रांसफर विंडो के बंद होने के बाद अगली ट्रांसफर विंडो में होने वाले बदलावों के बारे में बातें होनी शुरू हो गई हैं। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी और फ्रेंच क्लब पीएसजी से खेलने वाले लियोनेल मेसी अगली ट्रांसफर विंडो में अपने बचपन के क्लब नेवेल्स ओल्ड बॉयज से जुड़ सकते हैं। इस बात का खुलासा सर्जियो एगुएरो ने किया है। सर्जियो मेसी के साथ अर्जेंटीना से खेल चुके हैं। सर्जियो ने बताया कि मेसी ने उनके साथ बात करते हुए ये खुलासा किया है। मेसी ने साल 1995 से 2000 तक अपने यूथ करियर के दौरान अर्जेंटीना के क्लब नेवेल्स की जूनियर टीम से खेला था। उस समय वे केवल 8 साल के थे। साथ ही, मेसी के ट्रांसफर को लेकर ये भी कहा जा रहा था कि वे एक बार फिर बार्सिलोना से जुड़ सकते हैं, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार मेसी बार्सिलोना द्वारा किए जा रहे फोन नहीं उठा रहे हैं। रिपोर्ट्स का ये भी मानना है कि डेविड बेकहम का इंटर मियामी भी मेसी को अपने क्लब के साथ जोड़ना चाहता है। साथ ही, मेसी के साथ बार्सिलोना में खेले हुए सर्जियो बस्केट्स को भी क्लब का हिस्सा बनाना चाहता है। मेसी ने साल 2021 में दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पेरिस सेंट जर्मन क्लब के साथ साइन किया था। अन्य ट्रांसफर से जुड़ी खबरों में सामने आया है कि चेल्सी, जिसने जनवरी ट्रांसफर विंडो में सबसे ज्यादा खर्च किया था, पुर्तगाल के खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स को अपने साथ पूरी तरह से जोड़ना चाहता है। फेलिक्स इस समय चेल्सी के साथ लोन पर जुड़े हुए हैं। उनका कॉन्ट्रैक्ट एटलेटिको मैड्रिड के साथ है। दूसरी ओर, आर्सनल भी समर विंडो में कई नए खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ना चाहता है।

अल नासर रोनाल्डो के बाद रामोस को खरीदेगा

सऊदी अरब का क्लब अल नासर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को जोड़ने के बाद उनके पूर्व टीममेट सर्जियो रामोस को खरीदना चाहता है। रोनाल्डो और रामोस रियल मैड्रिड के लिए साथ में खेल चुके हैं। रामोस इस समय पीएसजी के साथ जुड़े हुए हैं और मेसी के साथ खेलते हैं।

भटक कर आबादी तक पहुंच रहे बाघ व तेंदुआ

जंगलों में बढ़ते मानव दखल से बेचैन हो रहे वन्य जीव

10 साल में डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों का हुआ शिकार, पांच सैकड़ा से अधिक लोग हमले में घायल

यश भारत पड़ताल

कटनी, यशभारत। जिले के जंगलों में बढ़ते मानव दखल ने बाघों, तेंदुआ और अन्य वन्य जीवों को बेचैन कर दिया है। ग्रामीणों की जंगल के कोर जोन तक पहुंच दोनों के लिए घातक हो रही है। बरही-बड़वारा परिक्षेत्र के बरही रेंज का अधिकांश इलाका बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का बफर जोन है। जहां से वनराज सहित अन्य वन्यजीव शिकार करते हुए व पानी की तलाश सहित अन्य कारणों से यहां तक पहुंच रहे हैं, जिनका आमना-सामना लोगों से हो रहा है। इसका खामियाजा लोगों को जीवन भर के लिए अपंगता या फिर जान तक गंवानी पड़ रही है।

शिकार की घटनाओं और पेड़ों की कटाई के मामलों में भी बढ़ोतरी हुई है। जंगल के हिंसक वन्यप्राणी रहवासी क्षेत्रों की तरफ आ रहे हैं। जिसकी वजह से मनुष्य और पालतू जानवरों की शिकार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। जिले में जनवरी 2010 से अब तक डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों पर बाघ, तेंदुआ, जंगली शूकर सहित अन्य हिंसक जानवरों ने हमला किया और इनको जान गंवानी पड़ गई है। सर्वाधिक हमले बरही क्षेत्र के हैं। इतना ही नहीं पांच सैकड़ा से अधिक लोग इनके हमले में घायल भी हुए हैं। इसकी मुख्य वजह जंगल में लकड़ी काटने, खेती करने, महुआ बीनने, मवेशी चराने सहित अन्य प्रयोजन से उनके नजदीक पहुंचने के कारण या फिर उन्हें छेड़ने के कारण अधिकांश घटनाएं हुई हैं। गौरतलब है कि खितौली में बाघ के हमले के बाद युवक के मौत होने से लॉयन ऑर्डर की स्थिति भी बन गई थी। लोगों ने वन्य जीवों से सुरक्षा की मांग रखी थी। लोगों का कहना था कि वन अमला को जितना मुस्तैद रहना चाहिए व नहीं रह रहा है।

मुआवजा बांटने तक सीमित वन विभाग की प्रक्रिया

मुआवजे की राशि पर एक नजर

- 40 लाख 6 हजार 774 रुपए जनहानि पर देना पड़ा है मुआवजा।
- 08 लाख 81 हजार 459 रुपए लोगों के घायल होने पर बंटा मुआवजा।
- 41 लाख 66 हजार 260 रुपए मुआवजा बांटा पशु हानि पर।
- 05 लाख 47 हजार 216 रुपए का मुआवजा फसल नुकसान पर बंटा।

2010-11 में हुए सबसे ज्यादा वनजीवों के हमले

- 2010 और 2011 में हुए थे सर्वाधिक हमले व शिकार, दो साल से थी राहत, फिर बढ़ने लगे हमले के मामले।
- बरही क्षेत्र में बाघ, तेंदुआ के हमलों के साथ जंगली हाथियों का भी बढ़ गया है दखल, आबादी तक पहुंच रहे हिंसक जानवर।
- 2017 से अब तक 44 लाख 70 हजार 883 रुपए वन विभाग ने फूंके वन्यप्राणियों की सुरक्षा में।
- वन्य प्राणियों के रहवासी प्रबंधन पर 8 लाख 97 हजार 276 रुपए हुए खर्च फिर भी नहीं हो पाया ठीक से प्रबंधन।

वर्ष-जनहानि-जनघायल-पशु हानि

वर्ष	जनहानि	जनघायल	पशु हानि
2010	06	122	21
2011	01	126	42
2012	02	43	75
2013	01	19	60
2014	01	13	55
2015	01	69	70
2016	00	03	56
2017	01	22	52
2018	02	08	69
2019	02	59	161
20/21	00	12	29
2022	03	10	58
योग	20	506	478

मवेशियों के शिकार की भी घटनाएं बढ़ी

2010 से अभी तक बाघ, तेंदुआ सहित अन्य हिंसक जानवरों ने 748 पालतू मवेशियों का शिकार कर चुके हैं। वहीं शूकर भी खूब नुकसान पहुंचा रहे हैं। अभी जिले में 171 प्रकरण बने हैं, जिनमें लाखों रुपए का मुआवजा वन विभाग को बांटना पड़ा है।

इनका कहना है

बरही रेंज सहित जिले के अन्य वन परिक्षेत्रों में वन्य जीवों द्वारा जन, पशु व फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इस पर गहन मंथन कर समाधान निकाला जाएगा। बफर जोन वाले एरिया में दखल कम करना होगा।

-गौरव शर्मा, वनमंडल अधिकारी

अल्फर्ट कम्पनी से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में न्यायालय का फैसला

पूर्व कलेक्टर शहजाद खान पर साबित नहीं हो पाए आरोप

कटनी,यशभारत। माननीय विशेष न्यायाधीश लोकायुक्त श्रीमती पल्लवी द्विवेदी ने अल्फर्ट कम्पनी से जुड़े भ्रष्टाचार के प्रकरण में निर्णय सुनाते हुए कटनी जिले के प्रथम कलेक्टर शहजाद खान व हाउसिंग बोर्ड के भू-अर्जन अधिकारी श्रीराम मेश्राम को दोषयुक्त कर दिया है। जानकारी के अनुसार मेसर्स अल्फर्ट प्रा.लि. कटनी की 72 एकड़ भूमि को गृहनिर्माण मंडल द्वारा क्रय किये जाने में उच्च पदस्थ अधिकारियों द्वारा शासकीय रुपयों का अपव्यय किये जाने की शिकायत पर लोकायुक्त ने प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया था जिसमें न्यायालय द्वारा आरोपी शहजाद खान व श्रीराम मेश्राम पर धारा (13) (1) डी सहपठित धारा 13(2)भृष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 एवं धारा 120 भा.द.सं. के अंतर्गत यह आरोप लगाया कि उनके कलेक्टर कटनी व भू अर्जन अधिकारी के लोक पद पर पदस्थ रहते हुए म.प्र. गृह निर्माण मंडल ने अर्ल्फट कंपनी की 72 एकड़ भूमि अत्यधिक बड़ी दरों पर क्रय कर ली थी। अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए गलत जानकारी दी जिससे शासन को चार करोड़ उनतीस लाख रुपयों की हानि हुई एवं अल्फर्ट कंपनी के डायरेक्टर को धन संबंधी लाभ अभिलाभ प्राप्त हुआ। उक्त प्रकरण में अभियोजन द्वारा साक्षियों को परीक्षित कराया जिसके पश्चात् माननीय न्यायालय द्वारा उभयपक्षो के तर्कों को सुनने के पश्चात अभियुक्तगण को संदेह का लाभ देकर उपरोक्त अपराध करने के आरोप से दोषमुम्त कर दिया गया। अभियुक्त कलेक्टर शहजाद खान की ओर से मनोज सोनी अधिवक्ता व श्रीराम मेश्राम की ओर से कमलेश शुक्ला अधिवक्ता ने पैरवी की।

गब्बर इज बैक: मंगतराम अस्पताल में मौत के बाद भी हो रहा था गर्भवती महिला का इलाज

पति ने लगाए आरोप: पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुटी

कटनी, यशभारत। कोतवाली के नई बस्ती क्षेत्र डॉक्टर मंगतराम हास्पिटल में गब्बर इज बैक फिल्म की पटकथा दोहराए जाने का मामला प्रकाश में आया है। हास्पिटल में एक गर्भवती महिला की मौत के बाद भी उसको भर्ती कर उपचार किया जा रहा था। इस बात का खुलासा होने के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा मचाया। परिजनों ने मरीज की मौत के बाद भी अस्पताल प्रबंधन पर मरीज को भर्ती रखकर उपचार करने का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पाकर कोतवाली प्रभारी अजय बहादुर सिंह पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे लेकिन पुलिस जांच से बचने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने गेट पर ताला लगा दिया। लगभग एक घंटे तक इंतजार के बाद डॉक्टर व स्टॉफ न मिलने पर कोतवाली पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव कब्जे में लेकर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए रखवाया। जहां आज सुबह पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पड़ोसी जिला उमरिया के चंदिया क्षेत्र निवासी 25 वर्षीय लक्ष्मी पति प्रदीप विश्वकर्मा को उपचार के लिए उमरिया शासकीय अस्पताल से कटनी जिला अस्पताल रिफर किया गया था। शासकीय अस्पताल में उचित उपचार न मिलने के बाद परिजनों ने लक्ष्मी को रविवार सुबह नई बस्ती क्षेत्र स्थित डॉक्टर मंगतराम हास्पिटल में भर्ती कराया। जहां महिला चिकित्सक रूपा लालवानी ने उपचार शुरू किया। बताया जाता है कि दिनभर उपचार के बाद रात करीब 8 बजे अस्पताल प्रबंधन ने लक्ष्मी की हालत गंभीर होना बताकर उसे रिफर कर दिया। परिजन मरीज को उपचार के लिए आधा किलोमीटर दूर स्थित धर्मलोक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। मरीज की मौत की खबर सुनते ही परिजन आक्रोशित हो गए और लक्ष्मी का शव लेकर डॉक्टर मंगतराम हास्पिटल पहुंचे और अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा मचाया।

लक्ष्मी की जान बचाने किए गए हरसंभव प्रयास

उधर डॉक्टर मंगतराम हास्पिटल के संचालक डॉक्टर विशंभर लालवानी का कहना है कि लक्ष्मी को बेहद गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। डॉक्टर लालवानी ने बताया कि लक्ष्मी की पहली डिलेवरी आपरेशन से हुई थी। यह उसकी दूसरी डिलेवरी थी लेकिन उसके पूर्व ही उसे ब्लीडिंग होने लगी। महिला चिकित्सक डॉक्टर रूपा लालवानी ने उसका उपचार शुरू किया और उसकी जान बचाने के हरसंभव प्रयास किए। परिजनों के द्वारा लगाए जा रहे आरोप निराधार व बेबुनियाद हैं।

अस्पताल के सामने शव रखकर प्रदर्शन

रविवार की शाम से शुरू हुआ परिजनों का हंगामा आज सोमवार की सुबह भी जारी रहा। बताया जाता है कि पीएम के बाद परिजन अपने समर्थकों सहित पुनः नईबस्ती क्षेत्र स्थित डॉक्टर मंगतराम हास्पिटल लक्ष्मी का शव लेकर पहुंचे। जहां हास्पिटल के सामने स्ट्रेचर पर शव रखकर जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया। परिजन व प्रदर्शनकारी आरोपी डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। बाद में पुलिस ने समझा बुझाकर मामला शांत कराया।

जबलपुर व लखनऊ के बीच खेला जा रहा पहला मुकाबला, विजेता को मिलेंगे 2 लाख, उपविजेता को 1 लाख का नगद पुरस्कार

महापौर चेलेंज कप क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज

कटनी, यशभारत। नगर पालिक निगम के तत्वाधान में आज 27 फरवरी से महापौर चेलेंज कप क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन फारेस्टर प्लेग्राउण्ड में शुरू हो गया। पहला मुकाबला जबलपुर डिवीजन एवं लखनऊ के बीच खेला जा रहा है। जबलपुर के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। मैच की पहली ही गेन्द पर जबलपुर को पहला झटका अर्पित गौड़ के रूप में लगा। अर्पित शून्य रन पर मिड ऑफ पर कैच आउट हुए। इसके पहले महापौर चैलेंज कप क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ महापौर प्रीति संजीव सूरी ने वरिष्ठ खिलाड़ियों एवं नगर निगम आयुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे की उपस्थिति में किया। महापौर ने पहला मैच खेल रही दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और इसके उपरांत बैटिंग करते हुए टूर्नामेंट का अनौपचारिक शुभारंभ किया। वरिष्ठ खिलाड़ी राजीव अग्निहोत्री मुन्ना भैया ने भी बल्लेबाजी की। इस अवसर पर वरिष्ठ खिलाड़ी राजेश डेविड, संजीव सूरी, विभाष पाटिल, राजू बरसैंया, राजेश पटेल, राकेश सोनी, मृणाल बैनर्जी, हरीशंकर बाजपेयी, विजय रजक, विकास रजक, रिंकू बनाफर, विनीत सिंह बघेल उपस्थित रहे। मैच में अपांयरिंग बीसीआई लेबल वन के अंपायर संदीप बक्श एवं उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के रजिस्टर्ड अंपायर सारिक उस्मानी ने की। इस टूर्नामेंट में देश के कोने-कोने से टीमें भाग ले रही हैं। जिसमे विजेता टीम को 2 लाख रूपए एवं उपविजेता टीम को एक लाख रूपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा टीमों और खिलाड़ियों को महापौर प्रीति संजीव सूरी द्वारा डेढ़ लाख रूपए के व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। गौरतलब है कि लम्बे अंतराल के बाद शहर में महापौर चेलेंज कप क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। शहर के खेलप्रेमियों एवं खिलाड़ियों की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुये महापौर श्रीमति प्रीति संजीव सूरी द्वारा खेल भावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए टूर्नामेंट के आयोजन का निर्णय लिया गया था। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने बताया कि टूर्नामेंट में देश की नामचीन टीमें हिस्सा लेकर उत्कृष्ट क्रिकेट का प्रदर्शन करेंगी। जिसमे लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, इंदौर, जबलपुर, पंजाब, बनखेड़ी, नागपुर, दिल्ली एवं कटनी की टीमें भाग लेंगी। उन्होंने खेल प्रेमियों से फारेस्टर प्लेग्राउण्ड पहुंचकर मैचों का लुत्फ उठाने एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है।

41वीं पुण्यतिथि - 27.02.2023

स्व. बंशगोपाल अग्निहोत्री

स्वर्गवास

27.02.1982

याद आपकी आती है, तो पलकें हमारी नम हो जाती हैं। आपके आदर्शों पर सदैव चलते रहने के संकल्प के साथ समस्त परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

श्रद्धानवत:- कृष्णकांत अग्निहोत्री (भोलाबाबू), विष्णु अग्निहोत्री, मनोरमा मिश्रा, ऊषाकिरण मिश्रा एवं समस्त अग्निहोत्री परिवार।

पता- आनंद बिहार कालोनी, मदनमोहन चौबे वार्ड, कटनी

मरीज की सुरक्षा पहली प्राथमिकता

एडवांस्ड

सिटी स्कैन एवं एक्सरे सेन्टर

32-96 स्लाइस की अति आधुनिक 2021 मॉडल की मशीन परंपरागत सीटी मशीन की तुलना में रेडिएशन के दुष्प्रभाव से बेहतर सुरक्षा प्रदान करती है।

क्योंकि इसमें है विश्वस्तरीय टिन टेक्नॉलाजी एवं आर्टीफिशियल इन्टेलीजेन्स

समय के साथ विश्व स्तर पर विस्तृत हो रही टेक्नॉलाजी को अपनाएं एवं बेहतर सुरक्षा के साथ बेहतर रिजल्ट पाएं

जालपा वार्ड, घंटाघर रोड, कटनी

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक चौदहा की क्लीनिक के सामने

9893723087,8319994375, 8103404843 फोन 07622-494511

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/22-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)